राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 247 | रायपुर | सोमवार 01 सितंबर 2025 | विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

माता वैष्णो देवी धाम में भूस्खलन का बढ़ा खतरा, होटल, धर्मशालाओं को तत्काल खाली करने का आदेश

चीन में भारतीय समुदाय उत्सुक्ता के साथ मिला पीएम मोदी से

विश्वास और सम्मान से सुधरेंगे रिश्ते बोले प्रधानमंत्री मोदी , बॉर्डर मैनेजमेंट पर बनी सहमति

जिनपिंग को भारत आने का न्योता

ड्रैगन और हाथी को एकजुट होना पड़ेगा : चीनी राष्ट्रपति का आग्रह

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 साल बाद चीन के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की। वहीं, पीएम मोदी से मुलाकात के बाद चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि अब समय आ गया है कि ड्रैगन और हाथी को एकजुट होना होगा। शी चिंनफिंग के अनुसार, यह भारत और चीन दोनों के लिए बेहतर होगा। दो प्राचीन सभ्यताओं और दुनिया के सबसे अधिक जनसंख्या वाले दोनों देश ग्लोबल साउथ का अहम हिस्सा हैं। अच्छे पड़ोसी बनकर हम एक-दूसरे की ताकत बन सकते हैं, इसके लिए ड्रैगन और हाथी को साथ में नाचना होगा। पीएम मोदी से दोबारा मिलना और SCO सम्मेलन के लिए चीन में उनका भव्य स्वागत करना मेरे लिए खुशी की बात है।

चीनी राष्ट्रपति ने और क्या कहा?

पीएम मोदी की तरफ इशारा करते हुए शी जिनपिंग ने कहा, ÷पिछले साल कजान में आपकी और मेरी सफल बैठक हुई थी। भारत-चीन रिश्तों की एक नई शुरुआत हुई थी। आज फिर दुनिया बड़े बदलावों की

तरफ बढ़ रही है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां काफी चिंताजनक हैं। भारत और चीन दोनों प्राचीन सभ्यता हैं और ग्लोबल साउथ के भी सदस्य हैं। हमारे कंधे पर इस पूरे क्षेत्र का दारोमदार है। हमें एशिया समेत पूरी दुनिया में शांति स्थापित करने पर जोर देना चाहिए।÷

पीएम मोदी क्या बोले?

भारत और चीन के रिश्तों को 75 साल पूरे हो चुके हैं। शी चिनफिंग से मुलाकात पर पीएम मोदी ने कहा कि सीमा पर विवाद के बाद दोनों देशों ने शांति का रास्ता चुना और एक समझौते तक पहुंचे। कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू हो गई है। दोनों देशों में सीधी फ्लाइट्स उड़ान भर रही हैं। इस साझेदारी से 2.8 अरब लोगों को फ ायदा होगा।

ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता-

पीएम मोदी ने शी जिनपिंग को 2026 में भारत में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन का न्योता दिया। शी ने न्योते के लिए शुक्रिया कहा और भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता को समर्थन देने का वादा किया। पीएम मोदी ने चीन की SCO अध्यक्षता और तियानजिन समिट को भी समर्थन दिया।

सीमा विवाद और अन्य मुद्दे-

दोनों नेताओं ने सीमा विवाद को आपसी सम्मान और दोनों देशों के हितों को ध्यान में रखकर हल करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने व्यापार संतुलन, लोगों के बीच संपर्क, सीमा पार नदियों पर सहयोग और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने पर भी बात की।

निवेश संबंधों को बढ़ावा देने पर बनी सहमति

पीएम मोदी और शी ने विश्व व्यापार को स्थिर करने में दोनों अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को स्वीकार किया और द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ावा देने तथा व्यापार घाटे में कमी लाने के लिए राजनीतिक और रणनीतिक रूप से आगे बढ़ने की आवश्यकता को रेखांकित किया. बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और चीन दोनों ही सामरिक स्वायत्तता चाहते हैं तथा उनके संबंधों को किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए. इसमें कहा गया है, ÷दोनों नेताओं ने आतंकवाद और बहुपक्षीय मंचों पर निष्पक्ष व्यापार जैसे द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों तथा चुनौतियों पर साझा आधार को विस्तार देने को आवश्यक बताया.

चीन में मोदी का दिखा कूटनीतिक अंदाज, नेपाल, मालदीव और मिस्र के नेताओं से की मुलाकात

संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दो दिवसीय यात्रा पर चीन गए हुए हैं. प्रधानमंत्री यहां एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हैं. पीएम मोदी ने यहां एससीओ समिट में तो हिस्सा लिया है, इसके इतर कई देशों को राष्ट्राध्यक्षों से भी मुलाकात की. अलग-अलग राष्ट्राध्यक्षों के साथ पीएम मोदी की इस मुलाकात ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है. इस क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पड़ोसी देश नेपाल के पीएम केपी शर्मा ओली से मुलाकात की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, तिआनजिन में नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. ओली से मिलकर प्रसन्नता हुई. नेपाल के साथ भारत के संबंध गहरे और बहुत विशेष हैं.÷

इस कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से भी बातचीत की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ÷तियानजिन में SCO शिखर सम्मेलन के दौरान मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू से बातचीत की. मालदीव के साथ भारत का विकासात्मक सहयोग हमारे लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है.÷

मिस्र के प्रधानमंत्री से मिले पीएम मोदी शंघाई सहयोग संघठन के अलावा पीएम मोदी ने मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफ ा मदबौली से भेंट की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ÷SCO शिखर सम्मेलन में मिस्र के प्रधानमंत्री मुस्तफा मदबौली से मुलाकात की।

विमान टेक-ऑफ के तुरंत बाद इंजन से मिला फायर अलर्ट, एयर इंडिया की दिल्ली-इंदौर फ्लाइट सुरक्षित लौटी

नई दिल्ली

दिल्ली से इंदौर जा रही एअर इंडिया की एक फ्लाइट को टेक-ऑफ के तुरंत बाद आपात स्थिति में वापस दिल्ली लौटना पड़ा। एयरलाइन के मुताबिक, आज उड़ान संख्या AI2913 के दाहिने इंजन में फायर इंडिकेशन मिला, जिसके बाद यह कदम उठाया गया।

एअर इंडिया ने बताया कि कॉकपिट क्रू को टेक-ऑफ के तुरंत बाद इंजन से फायर अलर्ट मिला। स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर का पालन करते हुए पायलट ने दाहिने इंजन को तुरंत शट डाउन किया और विमान को सुरक्षित तरीके से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतार लिया। एयरलाइन के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि विमान में सवार सभी यात्री और U सदस्य सुरक्षित हैं और किसी को भी चोट नहीं आई। विमान को फिलहाल ग्राउंड कर दिया गया है और उसकी तकनीकी जांच जारी है। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है, जो जल्द ही इंदौर के लिए रवाना होगा।

गृहमंत्री अमित शाह का सिर कलम करने वाले बयान पर फंसी महुआ मोइत्रा, रायपुर में एफआईआर दर्ज

संवाददाता

रायपुर. अपने बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहने वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा एक बार फिर मुश्किलों में घिर गई हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर दिए गए एक बेहद आपत्तिजनक बयान को लेकर उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के माना पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है. पुलिस ने रविवार (31 अगस्त) को इस बात की पुष्टि की. दरअसल, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में पत्रकारों से बात करते हुए

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर एक विवादित बयान दिया था. जब उनसे घुसपैठ पर सवाल किया गया, तो उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, अगर (अमित) शाह बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने में विफल रहते हैं, तो सबसे पहले आपको उनका सिर काटकर अपनी मेज पर रखना चाहिए. उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा केंद्रीय गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह पूरी तरह विफल रहे हैं।

आपके पास ताकत है तो दुनिया झुकती है : सीएम योगी

राजनाथ सिंह ने ड्रोन की भूमिका पर दिया जोर

गौतमबुद्धनगर :

नोएडा के सेक्टर 80 में राफे एमफाइबर प्राइवेट लिमिटेड के रक्षा उपकरण और इंजन परीक्षण केंद्र का आज उद्घाटन किया गया। इस मौके पर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि देश में स्थापित किये जा रहे दो रक्षा औद्योगिक गलियारों में से एक उत्तर प्रदेश में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने इसमें रक्षा विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए 12,500 एकड़ भूमि आवंटित की है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी में गलियारे को अलीगढ़, कानपुर, आगरा और चित्रकूट समेत छह जिलों में विकसित किया जा रहा है।

शस्त्र और शास्त्र के बीच संतुलन जरूरी - सीएम योगी ने ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण केंद्र को लखनऊ में स्थापित करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस मिसाइल प्रणाली ने ''ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी ताकत का प्रदर्शन किया।'' सीएम ने कहा, ''भारत 1947 से ही चुनौतियों का सामना कर रहा है और इन चुनौतियों का स्वरूप निरंतर बदलता जा रहा है। अगर आपके पास शक्ति है, तो दुनिया आपके सामने झुकती है। यह प्राचीन अवधारणा आज भी प्रासंगिक है।'' सीएम योगी ने भारत के पारंपरिक ज्ञान

का हवाला देते हुए कहा, ''शस्त्र और शास्त्र के बीच संतुलन होना चाहिए। एक राष्ट्र इस संतुलन से ही शक्तिशाली बनता है, और शक्तिशाली बनने के बाद ही कोई शांति की अपील कर सकता है।'' उन्होंने शक्ति और साहस के महत्व को रेखांकित करने के लिए महाराणा प्रताप की उक्ति, 'वीर भोग्या वसुंधरा' (वीरों को पृथ्वी विरासत में मिलती है) का भी उल्लेख किया।

आकाश आनंद को बिहार चुनाव में कमान, बसपा का अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान

एजेंसी। बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल आगामी 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है. इस तारीख के पहले किसी भी सरकार का चयन किया जाना जरूरी है.अभी चुनाव की तारीख का ऐलान चुनाव आयोग द्वारा नहीं किया गया है. लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्षी पार्टियां इस चुनावी महासमर में कुदने के लिए अपनी -अपनी मुकम्मल व्यवस्था कर लिए हैं. चुनाव आयोग किसी दिन चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकती है.इसको लेकर सभी पार्टियां और उससे टिकट पाने वाले संभावित उम्मीदवार पटना से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक का चक्कर काट रहे हैं.इसी बीच बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती ने पूरी तरह से कमर कस ली है।

बंगाल : शिक्षक भर्ती घोटाले की सूची में तृणमूल पार्षद, कई नेता सहित विधायक की बेटी का नाम

कोलकाता एजेंसी

शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) ने दागी अयोग्य उम्मीदवारों की पहली सूची प्रकाशित कर दी है। लेकिन पहली ही सूची में ऐसे तमाम लोगों के नाम सामने आये है, जिससे सवालों की झड़ी लगने लगी है। अयोग्य शिक्षकों-शिक्षिकाओं की रोल नंबर सहित जारी इस सूची में 474वें क्रम पर तृणमूल कांग्रेस की सोनारपुर नगरपालिका के 18 नंबर वार्ड की पार्षद कुहेली घोष का नाम भी सूची में आया है। वहीं उत्तर

दिनाजपुर के चोपड़ा से तृणमूल कांग्रेस विधायक हमीदुल रहमान की बेटी रोशना बेगम का नाम भी सूची में है।कुहेली घोष इस समय सोनारपुर चौहाटी हाई स्कूल में इतिहास की शिक्षिका हैं । वह लगातार तीन बार तृणमूल पार्षद चुनी जा चुकी हैं। सूची में नाम आने के बाद उन्होंने नाराजगी जताते हुए साफ कहा है कि वो इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ेंगी उनके अनुसार, यह कोई नया विषय नहीं है। 2022 में भी मेरा नाम आया था। तब भी मीडिया में चर्चा हुई थी। मैं जानती हूं कि मैंने अपनी योग्यता के आधार पर नौकरी पाई है। मैंने सीबीआई को चुनौती दी थी, लेकिन उन्होंने न तो मुझे बुलाया और न ही कोई सूची प्रकाशित की। इस बार मेरा नाम क्यों आया है, यह मेरे लिए भी स्पष्ट नहीं है। कुहेली घोष पहले प्राथमिक विद्यालय में शिक्षिका थीं। बाद में उन्होंने वह नौकरी छोड़कर वर्तमान पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

विदेश | विश्वास और सम्मान से सुधरेंगे रिश्ते बॉर्डर मैनेजमेंट पर बनी सहमति, जिनपिंग से मुलाकात के बाद बोले पीएम मोदी

मोदी ने चीन के सामने उठाया पाकिस्तान के सीमा पार आतंक वाला सवाल

एजेंसी

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग की मुलाकात का डिटेल ब्योरा दिया। यह पिछले एक साल में दोनों नेताओं की दूसरी मुलाकात थी। इससे पहले दोनों अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में मिले थे।

साझेदारी और शांति पर जोर- दोनों नेताओं ने कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि साझेदार हैं। दोनों देशों के दोस्ताना रिश्ते 2.8 अरब लोगों के लिए फायदेमंद होंगे। एशिया और दुनिया में मल्टी पोलर सिस्टम के लिए भारत-चीन का सहयोग जरूरी है।

सीमा मुद्दे पर चर्चा- पीएम मोदी ने सीमा पर शांति बनाए रखने की जरूरत पर

जोर दिया। दोनों नेताओं ने पिछले साल हुए समझौते और सीमा पर शांति बनाए रखने तारीफ की। मौजूदा सिस्टम के जरिए शांति बनाए रखने पर सहमति बनी।

आतंकवाद के मुद्दे पर चर्चा- पीएम मोदी ने जिनपिंग के सामने सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आतंकवाद की समस्या का सामना भारत और चीन दोनों ने किया है। वहीं, चीन ने इस समस्या से निपटने के लिए कई तरह से अपना समर्थन देने का भरोसा दिया।

जिनपिंग ने 4 सुझाव दिए- राष्ट्रपति शी ने संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चार सुझाव दिए- डिप्लोमेटिक संवाद बढ़ाना, आपसी भरोसा मजबूत करना, आदान-प्रदान और सहयोग बढ़ाना, एक-दूसरे की चिंताओं का ध्यान रखना और ग्लोबल मंचों पर साझा हितों की रक्षा करना।

ग्लोबल संगठनों में सुधार की जरूरत- पीएम मोदी ने कहा कि WTO और ह जैसी संस्थाओं में खामियां हैं। भारत और चीन जैसे बड़े देशों के लिए यह साझा हित का विषय है, क्योंकि दोनों देश ग्लोबल आर्थिक और वित्तीय प्लेटफॉर्म पर अहम भूमिका निभाते हैं।

डायरेक्ट फ्लाइट शुरू करने की योजना- भारत और चीन के बीच जल्द ही डायरेक्ट फ्लाइट शुरू हो सकती हैं। हाल के महीनों में इस पर तकनीकी स्तर की कई दौर की बातचीत हुई है। दोनों पक्षों के बीच उड़ानों को फिर से शुरू करने पर सहमति बन गई है।

मन की बात में पीएम मोदी ने स्वदेशी और स्वच्छता पर दिया जोर

नई दिल्ली. एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 125वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने देशवासियों को गणेशोत्सव और आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने स्वदेशी अपनाने और स्वच्छता को बढ़ावा देने पर भी विशेष जोर दिया।

मन की बात में पीएम मोदी के संबोधन ने देशवासियों में उत्साह जगाया और त्योहारी सीजन में स्वदेशी के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया. उन्होंने बताया कि देश में इस समय गणेशोत्सव की धूम मची है और आने वाले दिनों में विभिन्न त्योहारों की रौनक रहेगी. पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि इन त्योहारों में स्वदेशी को प्राथमिकता दें. उन्होंने कहा, उपहार वही हो, जो भारत

में बना हो, पहनावा वही हो, जो भारत में बुना हो, सजावट वही हो, जो भारतीय सामान से हो, और रोशनी वही हो, जो भारत में बनी झालरों से हो. जीवन की हर जरूरत में स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, गर्व से कहो, ये स्वदेशी है. उन्होंने वोकल फ ॉर लोकल के मंत्र को दोहराया और आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की दिशा में एकमात्र रास्ता बताया. उन्होंने कहा, स्वदेशी अपनाना न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है, बल्कि देश की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूत करता है. इसके साथ ही, पीएम मोदी ने स्वच्छता अभियान पर बल देते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है. उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखें और इस अभियान को एक जन आंदोलन बनाएं. उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वदेशी दोनों ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत के आधार हैं. उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से प्रेरणा लेने और इन लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देने का आह्वान किया. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी मन की बात कार्यक्रम का छोटा वीडियो शेयर किया और लिखा, गर्व से कहो ये स्वदेशी है।

प्राकृतिक आपदा को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बाढ़ और बारिश से हुई इस तबाही के बीच, जम्मू-कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं. इन पर ज़्यादा लोगों का ध्यान नहीं गया, लेकिन आपको इन उपलब्धियों के बारे में जानकर खुशी होगी. पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए. पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया. पहले ये नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है. ये मैच 'रॉयल प्रीमियर लीग' का हिस्सा है, जिसमें जम्मू-कश्मीर की अलग-अलग टीमें हिस्सा ले रही हैं.

'आपदा की घड़ी में सेना मददगार बनकर सामने आई'

पीएम मोदी ने कहा कि Thermal कैमरे, Live Detector, Sniffer Dogs और Drone surveillance, ऐसे अनेक आधुनिक संसाधनों के सहारे राहत कार्य में तेजी लाने की भरपूर कोशिश की गई. इस दौरान helicopter से राहत सामग्री पहुंचाई गई, घायलों को एयरलिफ्ट किया गया. आपदा की घड़ी में सेना मददगार बनकर सामने आई.

भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और इसके लिए कुर्बानी देती है : गिरिराज सिंह

पटना

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता गिरिराज सिंह ने रविवार को स्पष्ट कहा कि भाजपा किसी को इस्तेमाल नहीं करती। भाजपा राष्ट्रहित में काम करती है और राष्ट्र के लिए कुर्बानी देती है। ?

पटना में पत्रकारों से बातचीत में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाजपा को इस्तेमाल करके छोड़ देने वाली पार्टी बताए जाने पर उन्होंने कहा कि पता नहीं कब उन्हें इस्तेमाल किया गया? वह जानते होंगे %यूज एंड थ्रो%। उन्होंने कहा कि इस्तेमाल चीज़ बहुत खतरनाक होती है। किसको इस्तेमाल किया और किसको छोड़ा, ये बात अखिलेश ही जानते होंगे। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित में काम करती है और राष्ट्र के लिए कुर्बानी देती है।

दरअसल, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव शनिवार को राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा में शामिल होने बिहार आए थे और भाजपा पर जमकर निशाना साधा था। भाजपा के नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महुआ मोइत्रा के एक बयान को लेकर कहा कि ममता बनर्जी की पार्टी का दुर्भाग्य है। इतना घटिया बयान देने के बाद ममता बनर्जी को माफी मांगनी चाहिए, लेकिन मांगें क्यों? ?

उन्होंने टीएमसी को मुड़ कटवा पार्टी बताते हुए कहा, जब उनके खिलाफ कोई चुनाव जीत जाता है, तो उसे लटका देते हैं। लेकिन, किसी को गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए। हमारे गांव की कहावत है - सबसे ठठ्ठा, सबसे मजाक। लेकिन अब अगला शब्द नहीं कहूंगा, उससे मजाक नहीं करना चाहिए और यह मजाक बड़ा महंगा पड़ेगा।

28 लाख रुपये का जुर्माना चुकाए बिना जिले में रेत का अवैध परिवहन कैसे हो रहा है - विक्रम मंडावी

भाजपा की डबल इंजन सरकार के संरक्षण में जिले में रेत का अवैध परिवहन जारी - विक्रम मंडावी

बीजापुर । कांग्रेस नेता एवं बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय बीजापुर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार के बनने के बाद से भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जिला प्रशासन और खनिज विभाग पर भोपालपटनम क्षेत्र से रेत का अवैध परिवहन कराने का गंभीर आरोप लगाया।

विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा कि तीमेड में रेत के अवैध भंडारण को लेकर सरकार ने कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव पर 28 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। लेकिन ठेकेदार ने आज तक यह राशि नहीं चुकाई है, और वह धड़ल्ले से जिले से पड़ोसी राज्य तेलंगाना और

महाराष्ट्र में रेत का अवैध परिवहन कर रहा हैं। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि जिले से अन्य राज्यों को रेत का अवैध परिवहन न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि जिले की रॉयल्टी की चोरी भी है। इसकी गहन जांच होनी चाहिए। यह सब भाजपा की डबल इंजन सरकार के इशारे और संरक्षण में ही संभव हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिले के सभी रेत खदानों का ठेका भाजपा सरकार में एक ही व्यक्ति, भाजपा नेता गौतम राव को कैसे मिल गया यह संयोग नहीं, बल्कि भाजपा नेताओं द्वारा डबल इंजन सरकार के संरक्षण में रेत का अवैध परिवहन का प्रमाण है। प्रेस वार्ता में विधायक ने आगे कहा कि जिले का रेत हैदराबाद (तेलंगाना) और महाराष्ट्र जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रेत की कमी हो रही है और कीमतें आसमान छू रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना एवं सरकारी निर्माण कार्यों के लिए रेत उपलब्ध नहीं हो पा रही, जबकि इसे अवैध रूप से दूसरे राज्यों में बेचा जा रहा है। भोपालपटनम क्षेत्र में कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव ने बड़े पैमाने पर रेत का अवैध भंडारण किया था, जिसे प्रशासन ने जब्त कर 28 लाख रुपये का जुर्माना लगाया, लेकिन आज तक जब्त रेत की नीलामी क्यों नहीं की गई, यह स्पष्ट नहीं है। विक्रम मंडावी ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि जब्त रेत को स्थानीय ग्राम सभाओं को सौंप दिया जाए, ताकि इसका उपयोग जिले के विकास में हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिदिन दर्जनों ट्रक बिना नाप-तौल के रेत का अवैध परिवहन करते हुए तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों को भेजे जा रहे हैं।

खनिज विभाग और जिला प्रशासन द्वारा ट्रकों की आवाजाही की जांच नहीं की जा रही, न ही ओवरलोडिंग पर आरटीओ द्वारा कोई कार्रवाई हो रही है। खनिज विभाग ने ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव को रॉयल्टी बुक सौंप दी है, जिसका दुरुपयोग कर एक रॉयल्टी पर्ची पर दो-तीन ट्रकों से रेत का परिवहन किया जा रहा है। रास्ते में इन ट्रकों की कहीं जांच नहीं होती। यह सब भाजपा की डबल इंजन की सरकार के इशारे पर कथित ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव को अवैध लाभ पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन और खनिज विभाग की नाक के नीचे हो रहा है। अधिकारी तो परिवहन को वैध बताने में लगे हैं, लेकिन हकीकत में भंडारण एवं परिवहन नियमों का पालन नहीं हो रहा। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि जिले के संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों को मिल सके। साथ ही विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में खनिज विभाग पर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि एक ग़रीब व्यक्ति अपने निजी उपयोग के लिए एक ट्रेक्टर रेत ले आता है तो पूरा खनिज विभाग उस पर कार्रवाई करते हुए जुर्माना की कार्यवाही करता है और वहीं दूसरी ओर एक कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव के द्वारा संगठित रूप से बड़ी मात्रा में रेत का अवैध परिवहन करता है तो उसे खनिज विभाग वैध मानती है ऐसा क्यों हो रहा है इसका जवाब खनिज विभाग को देना चाहिए। कांग्रेस नेता और विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में यह भी कहा कि जिले में अवैध रेत परिवहन बंद नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी अवैध रेत परिवहन के ख़िलाफ़क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी और सड़क की लड़ाई लड़ेगी।

कलारतराई और लीलर में बनेगा गौरवपथ,पूर्व विधायक रंजना साहू ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा का जताया आभार

धमतरी। राज्य सरकार छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम गौरवपथ योजना के तहत सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों को स्वीकृति दी गई है,जिसके तहत धमतरी के कलारतराई एवं लीलर में भव्य गौरवपथ बनेगा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा का आभार करते हुए प्रेस नोट जारी करते हुए रंजना साहू ने कहा कि धमतरी के विकास के लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध एवं संकल्पित है,आज यह गौरव पथ इन गांवों की शान बनेगा और गांव के विकास में पंख लगाएगा, हम प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा सहित पूरी सरकार का ग्राम कलारतराई एवं ग्राम लीलर के ग्रामवासियों की ओर से धन्यवाद प्रदान करते हुए आभार व्यक्त करती हूँ।

नक्सल हमले में हाथ-पांव गवां चुके ग्रामीणों ने सुनाई आपबीती

नक्सल पीड़ितों ने उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जस्टिस रेड्डी का किया विरोध

जगदलपुर । कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया दिल्ली पहुंचे बस्तर के नक्सल पीड़ितों ने प्रेसवार्ता कर देश के सामने अपनी व्यथा रखी। बस्तर के नक्सल पीड़ितों ने उपराष्ट्रपति पद के प्रत्याशी रिटायर्ड जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी की उम्मीदवारी का विरोध करते हुए, सभी सांसदों से उन्हें समर्थन नहीं करने की अपील की। बस्तर शांति समिति के बैनर पर हुए इस प्रेस वार्ता में पीड़ितों ने कहा कि बी. सुदर्शन रेड्डी ही वो व्यक्ति थे, जिन्होंने नक्सलवाद के विरुद्ध चल रहे आदिवासियों के जनांदोलन पर प्रतिबंध लगाया था, जिसके कारण बस्तर में नक्सलवाद तेजी से बढ़ा और ऐसा नासूर बन गया, जिसका कहर आज भी जारी है। सलवा जुडूम के मजबूत होते ही नक्सल संगठन ना सिर्फकमजोर हुआ था।

पूर्व आईएएस रीता शांडिल्य बनीं लोक सेवा आयोग की स्थायी अध्यक्ष

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) को नई स्थायी अध्यक्ष दे दी है। राज्य शासन ने 2002 बैच की सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी रीता शांडिल्य को सीजीपीएससी का स्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है।

रीता शांडिल्य इससे पहले आयोग की कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाल रही थीं। अब उन्हें पूर्णकालिक रूप से यह दायित्व सौंपा गया है।

पूर्व अध्यक्ष के कार्यकाल में हुआ था विवादास्पद घोटाला : गौरतलब है कि रीता शांडिल्य की नियुक्ति ऐसे समय पर हुई है जब आयोग की साख को पहले हुए घोटाले ने गहरा धक्का पहुंचाया है। पूर्व अध्यक्ष टामन सोनवानी के कार्यकाल के दौरान लोक सेवा आयोग में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का मामला सामने आया था। यह घोटाला राज्य के विधानसभा चुनावों में एक प्रमुख राजनीतिक मुद्दा भी बना।

नई सरकार के गठन के बाद इस पूरे

प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर तत्कालीन अध्यक्ष टामन सोनवानी सहित कई अन्य लोगों की गिरफ्तारी हुई थी।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर रिटायर्ड एसईसीएल कर्मचारी से एक करोड़ से अधिक की ठगी

बिलासपुर । बिलासपुर में एक रिटायर्ड एसईसीएल कर्मचारी से सीबीआई अधिकारी बनकर ठगों ने करीब 1 करोड़ 9 लाख रुपए ठग लिये। ठगों ने करीब तीन महीने तक उन्हें डिजिटल गिरफ्तारी में रखा। इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब पीड़ित के बेटे ने घर लौटकर पूरी घटना जानी। इसके बाद पीड़ित ने सरकंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई, और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार मोपका पाटलीपुत्र कॉलोनी निवासी पुरुषोत्तम दुबे, जो एसईसीएल से सेवानिवृत्त हैं, जनवरी महीने में अज्ञात नंबर से कॉल आए। कॉल करने वालों ने खुद को सीबीआई अधिकारी बताया और आरोप लगाया कि दुबे ने अपनी नौकरी के दौरान कोई गड़बड़ी की है। वीडियो कॉल पर पूछताछ के बहाने उन्हें डराया-धमकाया गया और जांच से बचाने के नाम पर लगातार पैसे जमा करने को कहा गया। जनवरी से मार्च के बीच पीड़ित ने अलग-अलग खातों में लगभग 1 करोड़ 9 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। ठगों ने उन्हें यह भी धमकी दी कि इस घटना की जानकारी किसी को न दें। चूंकि पीड़ित के बेटे विदेश में थे, इसलिए उन्होंने मदद लेने में देरी की।

प्रधानमंत्री मोदी को अपशब्द मामले में छत्तीसगढ़ भाजपा ने राहुल गांधी पर किया हमला

रायपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंच से अपशब्द बोले जाने को लेकर देश की राजनीतिक स्थिति गर्मा गई है। इस विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के नेताओं ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने राहुल गांधी को कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक और अमर्यादित भाषा का प्रयोग राजनीति की मर्यादा के खिलाफहै।

शुक्रवार को एकात्म परिसर में मीडिया से बातचीत में किरण सिंहदेव ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की रैलियों में प्रधानमंत्री मोदी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया, जिसका किसी भी हालत में समर्थन नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि यह भाषा भारतीय राजनीति की परंपरा और संस्कृति के खिलाफ है।उन्होंने कहा, कांग्रेस 15 वर्षों से सत्ता से बाहर है, इसलिए ऐसी भाषा का सहारा लेती है। राहुल गांधी पहले भी जातिगत टिप्पणी कर चुके हैं और पीएम मोदी के लिए 'तू तड़क' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्हें समझना चाहिए कि राजनीति की भी एक सीमाएं होती हैं। किरण सिंहदेव ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी समय-समय पर ऐसे अमर्यादित शब्दों से आने वाली पीढ़ी को गलत संदेश देती रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को 'वोट चोर' कहना भी कांग्रेस की परंपरा बन चुकी है। वे बिना किसी ठोस सबूत के झूठे आरोप लगा रहे हैं और चुनाव जीतने के लिए भ्रामक नरेटिव फैला रहे हैं।

कॉलेज–विश्वविद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी, अब 5 सितंबर तक ले सकेंगे

रायपुर। छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा के निर्देश पर उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अब छात्र 5 सितंबर 2025 तक प्रवेश ले सकेंगे।पहले यह अंतिम तिथि 14 अगस्त निर्धारित की गई थी, लेकिन कई कॉलेजों में सीटें खाली रह जाने और छात्रों की ओर से समय बढ़ाने की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे उन विद्यार्थियों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश तय समय पर प्रवेश नहीं ले सके थे।सरकार के इस फैसले का छात्रों और अभिभावकों ने स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे कई छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा और उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने का एक और अवसर मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इस संशोधित तिथि की सूचना सभी विश्वविद्यालयों, शासकीय महाविद्यालयों और संबंधित अधिकारियों को भेज दी है, ताकि नए दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सके।

मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी ने की आत्महत्या, सुसाइड नोट बरामद

डोंगरगढ़, 30 अगस्त (आरएनएस)। डोंगरगढ़ में मां बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट समिति के एक कर्मचारी, परमानंद प्रसाद उर्फ़ चंदू, ने शुक्रवार को ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना स्थानीय अंडरब्रिज के ऊपर बने रेल ट्रैक पर हुई।जानकारी के अनुसार, परमानंद पिछले कुछ दिनों से काम पर नहीं जा रहे थे, और शुक्रवार को उन्होंने अचानक यह आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, लेकिन आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष पर ग्राम बेमचा में महतारी मेगा हेल्थ कैम्प आयोजित

200 से अधिक हितग्राही हुए लाभान्वित

महासमुंद। छत्तीसगढ़ राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग शहरी परियोजना महासमुंद द्वारा ग्राम पंचायत बेमचा में महतारी मेगा हेल्थ कैम्प का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण अंचल के महिलाओं, किशोरियों एवं बच्चों को स्वास्थ्य सुविधाओं से सीधे जोड़ना और कुपोषण उन्मूलन के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान कुल 60 किशोरी बालिकाओं का सिकलिंग एवं हीमोग्लोबिन टेस्ट किया गया, जिससे उनके स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके। वहीं 29 गंभीर कुपोषित बच्चों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। इसके अलावा गर्भवती एवं

शिशुवती महिलाओं सहित 204 हितग्राही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हुए। इस अवसर पर जनपद सदस्य संगीता राहुल चंद्राकर सारेंच देवेंद्र चंद्राकर ,परियोजना अधिकारी श्री शैल नाविक मौजूद थे। जनपद सदस्य श्रीमती संगीता राहुल चंद्राकर इस अवसर पर कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य का रजत जयंती वर्ष हमारे लिए विशेष महत्व रखता है। इस अवसर पर हम यह प्रयास कर रहे हैं कि स्वास्थ्य सेवाएँ हर जरूरतमंद तक पहुँचे। बेमचा में आयोजित महतारी मेगा हेल्थ कैम्प इसी संकल्प का हिस्सा है। हमारी प्राथमिकता है कि किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध हो। कार्यक्रम में सुपरवाइजर श्रीमती शीला प्रधान एवं श्रीमती कुंती यादव, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं एएनएम मौजूद रहे। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को सफल बनाया। शिविर का लाभ लेने पहुंचे हितग्राहियों ने कैंप की सराहना की। यहां आए किशोरियों और माताओं ने बताया कि ऐसे शिविरों से उन्हें न केवल स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिलती है बल्कि सही समय पर परामर्श और उपचार भी प्राप्त होता है। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार की पहल से गाँव की महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर होगा। ग्राम पंचायत बेमचा में आयोजित यह शिविर राज्य शासन की उस भावना को भी प्रकट करता है जिसके अंतर्गत स्वस्थ छत्तीसगढ़ – समृद्ध छत्तीसगढ़ का लक्ष्य लेकर कार्य किया जा रहा है।

29 से 30 सितंबर तक मनाया जाएगा शिशु संरक्षण माह

बच्चों को विटामिन, सिरप पिलाया जाएगा, आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप की बोतलें भी वितरित की जाएंगी

जशपुरनगर जिले में 29 अगस्त से 30 सितंबर 2025 तक शिशु संरक्षण माह का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान 9 माह से 59 माह तक के सभी बच्चों को विटामिन ‹ का सिरप पिलाया जाएगा और 6 माह से 59 माह के बच्चों हेतु आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप का बाटल वितरित किए जाएंगे। शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में शुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच इस माह से संबंधित समस्त गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस एवं टीकाकरण दिवस में प्रदाय किये जाने वाले सेवाओं का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में एनीमिया स्क्रीनिंग एवं स्तनपान संबंधित गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी ढ्ढ शिशु संरक्षण माह में सभी मितानिन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार ग्रामीण क्षेत्र से प्रपत्र 2 और शहरी क्षेत्र से प्रपत्र 2क्क में ड्यू लिस्ट के सभी बच्चों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए हैं। विटामिन‹ अनुपूरक का डोज- इस माह में 9 माह से 12 माह के बच्चों को 01 मिली और 1वर्ष से 5 वर्ष के बच्चों को 2 मिली पिलाना है और कार्यक्रम के दौरान आरएचओ द्वारा ही बच्चों को विटामिन‹ अनुपूरक सेवन कराया जाएगा।

आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप का डोज 6 माह से 59 माह तक के सभी बच्चों को सप्ताह में दो बार 1-1 मिली पिलाना जाएगा। मितानिन और आरएचओ द्वारा ग्राम भ्रमण के दौरान बच्चों को ढ्ढस्न सिरप पिलाए जा रहे हैं कि नहीं इसे जांच करने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शिशु संरक्षण माह का मॉनीटरिंग किया जाना है। शिशु संरक्षण माह के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लेने शुक्रवार को सीएमएचओ मनोरा ब्लॉक के ग्राम शैला सेक्टर घोघरा पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मचारियों को प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को नियमित टीकाकरण के साथ ही शिशु संरक्षण माह के तहत दिए गए शासन के सभी निर्देशों को बेहतर तरीके से लागू करने को कहा। कार्यक्रम की मॉनीटरिंग एवं सुपरविजन की जिम्मेदारी विकासखंड स्तर पर BMO, BETO एवं BPM और सेक्टर स्तर पर सेक्टर इंचार्ज MO, AMO, RMA एवं सुपरवाइजर द्वद्ध को दी गई है

अवैध रेत परिवहन और भण्डारण की उच्च स्तरीय जांच के लिए कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अवैध रेत परिवहन करने वाले दोषियों पर हो सख्त कार्यवाही, अन्यथा ग्रामीणों के साथ मिलकर कांग्रेस पार्टी करेगी उग्र आंदोलन-विक्रम मंडावी

बीजापुर । कांग्रेस नेता और बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी शनिवार को बीजापुर जिले के भोपालपटनम क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर थे, इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के ग्रामीणों से मुलाकात किया है। मुलाकात के दौरान क्षेत्र के ग्रामीणों ने विधायक विक्रम मंडावी को भोपालपटनम क्षेत्र से तेलंगाना और महाराष्ट्र में हो रहे रेत के अवैध परिवहन की शिकायत की और ग्रामीणों ने विधायक विक्रम मंडावी के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम एक ज्ञापन

एसडीएम भोपालपटनम को सौंपा है।

मुख्यमंत्री के नाम सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई है कि बीजापुर जिले के विकासखण्ड भोपालपटनम के अंतर्गत ग्राम-तिमेड़, चन्दूर, तारलागुड़ा में रेत का अवैध भण्डारण किया गया है। जिसका स्थानीय ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव के द्वारा सारे नियमों का उल्लंघन करते हुए पड़ोसी राज्य तेलंगाना और महाराष्ट्र में अवैध रूप से रेत का बिना फीटपास के परिवहन किया जा रहा है। तिमेड़ में बडे पैमाने पर रेत के अवैध भण्डारण को लेकर सरकार ने कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता गौतम राव पर 28 लाख रूपये का जुर्माना भी लगाकर रेत जब्त किया था। लेकिन ठेकेदार ने आज तक यह राशि नहीं चुकाई है, और धड़ल्ले से जिले के पड़ोसी राज्यों में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। जिले से अन्य राज्यों को रेत का अवैध परिवहन ने केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि रॉयल्टी चोरी भी हो रहा है। सरकार के द्वारा पूर्व में रेत

सिंधी समाज के चालिहा पर्व समापन पर हुआ भव्य आयोजन

धमतरी। धमतरी के सिंधी समाज द्वारा पूज्य चालिहा साहिब की पूर्णता के उपलक्ष्य में आयोजित 111 श्री बहराणा साहिब के भव्य धार्मिक आयोजन में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू ने अपनी उपस्थिति देते हुए भगवान झूलेलाल जी का दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीमती रंजना साहू ने चालिहा पर्व की 40 दिवसीय भक्ति साधना को पूर्ण करने पर संपूर्ण सिंधी समाज को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल भक्ति का प्रतीक है, बल्कि समर्पण, संयम और सामाजिक एकता का भी जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने आगे कहा, ऐसी श्रद्धा और सामाजिक समरसता ही हमारी सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करती है। ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज में भाईचारा और एकता की भावना को बल मिलता है। उन्होंने सिंधी समाज के धार्मिक एवं सामाजिक योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक, महिला मंडल, युवा वर्ग एवं बच्चे शामिल हुए। भक्ति संगीत, पारंपरिक आरती ने वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी समाज के अध्यक्ष श्री चंद्रलाल जैसवानी,श्री झूलेलाल मंडल के अध्यक्ष लक्ष्मण धामेचा,ब्राह्मण पारा पार्षद कोमल सार्वा,भाजयुमो जिला महामंत्री जय हिंदूजा,दीपक लालवानी,कमल पंजाबी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

सरगुजा जिले में दो डूबने की घटनाएं : एक मासूम और एक वृद्ध महिला की मौत

सरगुजा, 30 अगस्त (आरएनएस)। सरगुजा जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की पानी में डूबकर मौत हो गई। पहली घटना सीतापुर के केसला की है, जहां 7 वर्षीय बच्चा अनमोल स्कूल से छुट्टी के बाद अपने दोस्त के साथ मान नदी

में नहाने गया था। अचानक नदी के तेज बहाव में बह जाने से उसकी जान चली गई। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकाला गया। इस हादसे ने मासूम के परिवार को गहरे दुख में डुबो दिया, क्योंकि वह कक्षा पहली का छात्र था।दूसरी घटना ग्राम नकना में हुई, जहां 70 साल की वृद्ध महिला सुखनी का शव डबरी में तैरता हुआ पाया गया। पुलिस को सूचना मिलने के बाद शव को बाहर निकाला गया।

उर्वरक विक्रय केन्द्रों में कालाबाजारी करने वालों पर कृषि विभाग ने दिखाई सख्ती

औचक निरीक्षण में पाई गई अनियमितताएँ

कारण बताओ नोटिस, विक्रय प्रतिबंध और लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही

धमतरी । कृषकों को उर्वरक उचित दर पर और सुगमता पूर्वक उपलब्ध हो सके, इसके लिए जिले में कृषि विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। संचालक कृषि श्री राहुल देव के मार्गदर्शन एवं कलेक्टर श्री अविनाश मिश्रा के निर्देशन में उप संचालक कृषि सहित उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी निरीक्षकों की टीम ने जिलेभर में औचक निरीक्षण कर विक्रेताओं की गतिविधियों की गहन समीक्षा की। यह पहल किसानों को राहत प्रदान करने तथा उर्वरक की कालाबाजारी और अनुचित मूल्य पर विक्रय पर रोक लगाने

की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसी क्रम में जिले के लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक कृषि केन्द्रों एवं विक्रय परिसरों में छापामार कार्यवाही की गई। प्रमुख निजी परिसरों में मेसर्स महावर ब्रदर्स कुरूद, मेसर्स नेतराम कृषि केन्द्र मंदरौद, मेसर्स प्रेम कृषि केन्द्र मंदरौद, मेसर्स माँ चण्डी कृषि केन्द्र कुरूद, मेसर्स मधु ट्रेडर्स कुरूद, मेसर्स लक्ष्मी कृषि केन्द्र कोकड़ी, मेसर्स शुभम ट्रेडर्स कोकड़ी, मेसर्स महामाया कृषि केन्द्र संबलपुर सहित कई प्रतिष्ठानों की गहन जांच की गई। निरीक्षण के दौरान जहां विक्रय में अव्यवस्था और अनियमितता पाई गई, वहीं कुछ प्रतिष्ठानों में कालातीत कीटनाशक भी बरामद हुए।

जांच में दोषी पाए गए विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कदम उठाए गए हैं। मेसर्स किसान ट्रेडर्स कुरूद, मेसर्स नेतराम कृषि केन्द्र मंदरौद और मेसर्स प्रेम कृषि केन्द्र मंदरौद को कारण बताओ नोटिस जारी कर विक्रय प्रतिबंध की कार्यवाही की गई है तथा उनसे जवाब मांगा गया है। वहीं, मेसर्स माँ चण्डी कृषि केन्द्र कुरूद में कालातीत कीटनाशक पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबन की कार्यवाही करते हुए विक्रय प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। कृषि विभाग ने जिले के सभी कृषि केन्द्रों एवं विक्रय परिसरों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उर्वरक का विक्रय केवल अनुशंसित दर पर ही किया जाए। किसानों की सुविधा और अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा निरंतर मॉनिटरिंग और औचक निरीक्षण जारी रहेगा ताकि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनुशासनहीन गतिविधि पर तत्काल रोक लगाई जा सके। साथ ही उप संचालक कृषि ने कृषकों से भी अपील की गई है कि यदि कहीं उर्वरक अधिक दाम पर बेचे जाने या किसी अन्य प्रकार की अनियमितता की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय में दें, जिससे तत्काल कार्यवाही संभव हो सके। यह अभियान न केवल विक्रेताओं में अनुशासन बनाएगा बल्कि किसानों को समय पर और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने में भी सहायक सिद्ध होगा।

राजधानी में रात्रि में ईरिक्शा वाले हेड लाइट नहीं जलाकर दे रहे दुर्घटनाओं को आमंत्रण

रायपुर। राजधानी में इन दिनों इलेक्ट्रानिक रिक्शे की बढ़ती संख्या जहां यातायात में बाधा बन रही है। वहीं रात को ई रिक्शा वाले लाइट नहीं जलाते है वहीं हार्न का उपयोग नहीं करते जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है। राजधानी में इस समय विभिन्न मार्गों में ई रिक्शा की संख्या बढ़ती जा रही है। मालवीय रोड सहित अन्य मार्गों में ऑटो प्रतिबंधित कर दिये जाने के कारण यहां पर ईरिक्शा वाले चांदी काट रहे है। नुवाखाई तीजा सहित अन्य पर्वों में यहां पर पूजन सामाग्री कपड़ा एवं अन्य सामान लेने वालों की भारी भीड़ लगी रहती है। मालवीय रोड से अधिकतर लोग रामनगर रामकुंड चौबेकालोनी फाफाडीह स्टेशन, पंडरी एवं संतोषी नगर पचपेढ़ी नाका जाते हैं। इस समय राजधानी में ई रिक्शा की संख्या 5 हजार से भी ज्यादा है। इन वाहनों के लिए कोई अधिकृत नियम नहीं है जिसका फायदा वे उठा रहे हैं। राजधानी में रात होते ही ईरिक्शा वाले तेज गति से वाहन चलाते है। इतना ही नहीं बैटरी डाउन होने के चक्कर में हेड लाइट नहीं जलाते। वहीं कुछ ई रिक्शा वाले चायनीज लाइट जलाकर काम चलाते है। रात को उम्रदराज एवं युवा तथा महिलाएं अपने अपने वाहन से जाते है लेकिन दूर से यह रिक्शा अंधेरे में नहीं दिखता जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ रही है। पुलिस द्वारा इससंबंध में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिसको लेकर नागरिकों में रोष है।

गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं और झांकी देखने उमड़े लोग ,अवकाश होने के कारण बड़ी संख्या में लोगों के निकलने से यातायात हो रहे प्रभावित

रायपुर। राजधानी में मौसम खुलते ही अब भक्तों द्वारा गणेश प्रतिमाओं एवं आकर्षक झांकियों को देखने के लिए भीड़ उमड़ रही है। मौसम विभाग के अनुसार मौसम आगामी कुछ दिनों में साफ रहेगा।

राजधानी में इस समय गुढ़ियारी, राठौर चौक, गोल बाजार, समता कालोनी, लाखेनगर, पुरानी बस्ती सहित सौ से अधिक स्थानों पर आकर्षक गणेश प्रतिमाएं रखी गई है। जीई रोड में इस समय बाल स्वरूप गणेश की प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बिंदू बनी हुई है। समता कालोनी में भगवान गणेश को कृष्ण तथा उनके मित्र सुदामा की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। समता कालोनी गणेश उत्सव समिति द्वारा भगवान गणेश को बांसुरी बजाते हुए दिखाया गया है उनके साथ राधा स्वरूप रिद्धि माता है। वहीं अग्रसेन चौक में भी काफी भीड़ लग रही है। आज शनिवार एवं कल रविवार छुट्टी होने के कारण भक्त बड़ी संख्या में निकल रहे है। लेकिन यातायात की समस्या होने के कारण परेशान है।

मौसम विभाग के अनुसार एक द्रोणिका और कम दबाव का क्षेत्र कमजोर हो जाने के कारण इस समय राजधानी में उमस भरी गर्मी पड़ रही है। वहीं बस्तर में हुई भारी वर्षा से तबाही मची हुई है। मौसम विभग के अनुसार कम दबाव का क्षेत्र उत्तर छग की ओर जाने वाला था लेकिन वह अब स्थिर हो गया है जिसके कारण कई स्थानों पर हल्की सी मध्यम वर्षा होने की संभावना है। राजधानी में इस समय सुबह धूप रहती है शाम को वर्षा होने से लोग परेशान हो जाते है।

प्रमाणित बीज उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा प्रत्येक वर्ष खरीफ मौसम में कृषकों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्रदान कर अन्य किसानों की तुलना में प्रति एकड़ अधिक लाभ कमाने का मौका देता आ रहा है लेकिन इसकी जानकारी कुछ ही किसानों को होती है।

प्रमाणित बीज के उपयोग से पुराने बीज की तुलना में 10 से 15त्न अधिक उपज प्राप्त होता है। फ़सल की पैदावार बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रमाणित बीज के उपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। प्रदेश के किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार किस्मों का प्रमाणित बीज मुहैया कराने के लिए बीज निगम बीज उत्पादन कार्यक्रम आयोजित करता है। जिन किसानों के पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक ज़मीन है वो छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था में मामूली शुल्क देकर अपना पंजीयन करा सकते है। इसके लिए आपको अपने जिले के बीज

प्रकिया केंद्र में संपर्क करना होगा। बीज उत्पादन कैसे किया जाता है इसकी पूरी जानकारी बीज प्रमाणीकरण अधिकारियों द्वारा दी जाती है। फ़सल कटने पर अपना बीज प्रक्रिया केंद्र में देने पर आपको एक सप्ताह में बीज की अग्रिम राशि दे दी जाती है जो कुल बीज की कीमत का लगभग 60त्न राशि है शेष 40त्न राशि बीज परीक्षण परिणाम आने पर दे दी जाती है। इस प्रक्रिया में लगभग 2 माह लगते है।

पिछले खरीफ में धान मोटा किस्म की किसानों बीज खरीदी दर 3043 एवं 800(बोनस) कुल 3843 रुपये प्रति क्विंटल, धान पतला किस्म- 3211 एवं 800(बोनस) कुल 4011 रुपये प्रति क्विंटल, सुगंधित किस्म- 3644 एवं 800(बोनस) कुल 4444 रुपये प्रति क्विंटल थी।

इस प्रकार, पिछले खरीफमें जिन किसानों ने बीज निगम में उत्पादन कार्यक्रम में हिस्सा लिया था उन्हें शासन द्वारा निर्धारित धान की खरीदी दर 3100 रुपए प्रति क्विंटल की तुलना में मोटे किस्म की 743 रुपए प्रति क्विंटल अर्थात 15603 रुपए प्रति एकड़ अधिक मिले मतलब 1 हेक्टर वाले किसान को लगभग 40,000 रुप अधिक मिले. हालांकि किसानों को बीज का 40त्न राशि मिलने में 2-2.5 माह लगता है किन्तु तब भी किसी अन्य निवेश से अधिक लाभ प्राप्त होने से किसान इस कार्यक्रम के प्रति उत्साहित रहते हैं।

अभी शासन स्तर पर उत्पादन अनुदान बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है जिसे अंतिम रूप मिलने पर लाभ और अधिक होगा। इसके लिए किसानों को 31 अगस्त तक पंजीयन कराना होगा।

छत्तीसगढ़ दौरे पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, बिलासपुर में स्मारिका विमोचन कार्यक्रम में होंगे शामिल

बिलासपुर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शनिवार को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे न्यायधानी बिलासपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे।

डॉ. भागवत छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) के ऑडिटोरियम में आयोजित स्वर्गीय काशीनाथ गोरे की स्मृति में प्रकाशित स्मारिका के विमोचन समारोह में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम संघ और सामाजिक विचारधारा से जुड़े एक महत्वपूर्ण आयोजन के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर प्रदेश के कई प्रमुख नेता भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उपमुख्यमंत्री अरुण साव सहित राज्य सरकार के कई कैबिनेट मंत्री और विधायक की उपस्थिति की भी पुष्टि हुई है। समारोह को लेकर आयोजकों द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन और आयोजन समिति इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नगर पालिका जशपुर को दिया बड़ा विकास उपहार

रायपुर। जशपुरनगर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के घोषणा अनुरूप जशपुर शहर में आधुनिक सुविधाओं से लैस ऑडीटोरियम निर्माण के लिए 7 करोड़ रूपये की स्वीकृति देते हुए बजट जारी कर दिया है। नगर पालिक के अधिकारी ने बताया कि इस निर्माण कार्य के लिए नगर सरकार ने तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी कर निविदा जारी कर दिया है। निविदा प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

यह होगा आडोटोरियम से लाभ

अभी तक जिला मुख्यालय में बड़े आयोजन के लिए जगह की कमी महसूस की जा रही थी। शहर में आयोजित होने वाले किसी भी बड़े सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक आयोजन का पूरा बोझ फ्लिहाल रणजीता स्टेडियम और वशिष्ठ कम्युनिटी हाल पर है। रणजीता स्टेडियम में स्ट्रोटर्फ ग्रास और एलईडी डिस्प्ले लगाने की घोषणा मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिलीप सिंह जूदेव स्मृति फुटबाल टूर्नामेंट के दौरान कर चूके है।

आडोटोरियम के बन जाने से शहरवासियो को एक अच्छा विकल्प मिल सकेगा।

यहां बनेगा ऑडीटोरियम और मिलेगी ऐसी सुविधा

आडोटोरियम का निर्माण शहर के सारुडीह मोड़ के पास बंद पड़े हुए दुग्ध संयंत्र के पीछे में किया जाएगा। इसके लिए ढाई एकड़ जमीन चिन्हकित कर लिया गया है। 500 सीट क्षमता वाले इस आडोटोरियम में पार्किंग के साथ बेहतर लाइट व्यवस्था और बुनियादी सुविधा उयलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार अपने 10 दिवसीय विदेश प्रवास से लौट रहे हैं। वे दोपहर 2:40 बजे रायपुर विमानतल पहुंचेंगे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की हैं।

वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने 10 दिवसीय विदेश प्रवास से लौटें। वे दोपहर 2:40 बजे रायपुर विमानतल पहुंचें। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उनके स्वागत के लिए विशेष तैयारियां की थी। मुख्यमंत्री साय ने जापान और दक्षिण कोरिया की यात्रा की, जहां उन्होंने निवेश को आकर्षित करने और छत्तीसगढ़ को वैश्विक स्तर पर औद्योगिक एवं आर्थिक दृष्टि से नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से कई अहम मुलाकातें और वार्ताएं कीं। जापान में उन्होंने ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में प्रदेश की संभावनाओं को रखा, वहीं साउथ कोरिया में विभिन्न औद्योगिक घरानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ संवाद कर निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। भाजपा की ओर से रायपुर एयरपोर्ट पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगेगा। पार्टी ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों और फूल-मालाओं के साथ मुख्यमंत्री के स्वागत की योजना बनाई है। रायपुर में मुख्यमंत्री के स्वागत के बाद राजधानी के कई हिस्सों में स्वागत जुलूस और रैली भी निकाली जा सकती है।

225 छात्रों को तालीमी किट और मदरसों को कंप्यूटर सेट देकर शिक्षा जागरूकता का संदेश

-दिल्ली के मदनी हॉल में पसमांदा विकास फ ाउंडेशन का कार्यक्रम आयोजित

रायपुर । लोकशक्ति।

पसमांदा विकास फाउंडेशन के तत्वावधान में दिल्ली के जमीअत उलेमा-ए-हिंद के मदनी हॉल में 'कौमी तालीमी बेदारी कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मदरसों को कंप्यूटर सेट तथा करीब 225 पसमांदा छात्रों को तालीमी किट का निःशुल्क वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए मदरसों में शिक्षा मॉडर्न को लेकर मुहिम चलाना और जागरूकता फैलाना था।÷

कार्यक्रम में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जनरल सेक्रेटरी मौलाना हकीमुद्दीन क़ासमी मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से मौजूद रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ÷बिना तालीम के कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता है। आज के दौर में कंप्यूटर ज्ञान आवश्यक हो गया है। पसमांदा मुस्लिमों को तालीम से जोड़ने में समाज के जिम्मेदार लोगों को भी आगे आना चाहिए। इस्लामी दुनिया में ज्ञान के सभी क्षेत्रों की

उच्च शिक्षा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।÷

इस अवसर पर पसमांदा विकास फाउंडेशन के डायरेक्टर मोहम्मद मेराज राईन ने कहा, ÷शिक्षा ही कौमों की तरक्की की असली सीढ़ी है। हमारी प्राथमिकता दीनी और आधुनिक शिक्षा को आम करना है, क्योंकि पिछड़े तबकों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में लाने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा ही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मदरसों में आधुनिक शिक्षा को अपनाने और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। सभी पसमांदा बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। हमने 'तालीमी जेहाद' का आह्वान किया है, ताकि शिक्षा के माध्यम से पसमांदा समाज तरक्की की राह पर आगे बढ़ सके।÷

पसमांदा विकास फ ाउंडेशन की डायरेक्टर निकहत परवीन ने कहा, एक महिला के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। उन्होंने मुसलमान महिलाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि यह समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, मुस्लिमों में महिला सशक्तीकरण की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब महिलाएं मजबूत होंगी तो समाज और देश भी मजबूत होगा। कार्यक्रम में उलेमा टीम के सदस्य मुफ्ती वसीम अकरम, दिल्ली प्रदेश दीनी तालीमी बोर्ड,जमीयत उलेमा-ए-हिंद के जनरल सेक्रेटरी कारी अब्दुस्शमी,उलेमा टीम हेड,वसीम अकरम क़ासमी,उलेमा टीम के प्रमुख जाहिद आलम मजाहिरी, अशरफ खान, महिला विंग की प्रमुख फरहा मिर्ज़ा, खैरुल बशर, अशजद जुबैर, गिलमान अख्तर, डॉ. खदीजा ताहिरा, सरवर आलम, मुफ्ती सुभान और मौलाना असद अदनान नदवी,हसीन फातिमा भी मौजूद रहे।

दीदीयों की कहानी, उन्हीं की जुबानी, दीदी के गोंठ का प्रसारण 31 को

स्टार्टअप महतारी वंदन सहित केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं का किया जाएगा बखान

रायपुर । दीदीयों की कहानी उन्हीं की जुबानी के रेडियो प्रसारण दीदी के गोंठ को 31 अगस्त दोपहर 12.15 बजे प्रसारित किया जाएगा। जिसमें महिलाओं को महतारी बंदन योजना पूरक पोषण योजना एवं धान के बोनस सहित अन्य लाभ के संबंध में अपने विचार सांझा करेगी। छग सरकार के महिला एवं बालविकास तथा जनसपर्क विभाग द्वारा नरेंद्र मोदी द्वारा सप्ताह में मन की बात की, की तर्ज पर छग में दीदी की गोंठ का प्रसारण किया जाएगा। इसमें उद्योग विभाग द्वारा स्टार्टअप योजना के तहत लाभान्वित दीदीयों की सफलता की कहानी बताई जाएगी। महातारी वंदन योजना छग की महिलाओं के लिए बनाई गई एक महत्वाकांक्षी योजनाएं है। इसमें 70 हजार से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही है। जिसमें महिलाओं को एक हजार प्रति दिया जाता है। इस एक हजार से कई महिलाओं के जीवनमें कई आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन आया है।

जनसंपर्क तथा महिला बाल विकास सहित अन्य शासकीय विभाग द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम में महिलाओं को दी जाने वाली मोदी सरकार के बारे में बताया जाएगा। पिछले सभी को तीन माह का चावल वितरिण किया है। वहीं केंद्र की योजनाओं को भी इसमें शामिल किया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा तथा अन्य क्षेत्रों में कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

नई विश्व व्यवस्था के आग़ाज़ का संकेत?

इस वक्त अमेरिका समेत पूरी दुनिया की निगाह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा पर है। अमेरिका के अखबारों में आज से ही बड़े बड़े लेख छपने लगे हैं कि अगर भारत, चीन और रूस मिल गए, तो अमेरिका का क्या होगा? अगर ट्रंप के टैरिफके जवाब में भारत, चीन और रूस ने कारोबारी गठजोड़ कर लिया, तो इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर क्या असर होगा? रूस के राष्ट्रपति पुतिन दिसंबर में भारत आएंगे। इसीलिए अमेरिका में ट्रंप के बड़बोलेपन और मोदी की शांत कूटनीति के खूब चर्चे हो रहे हैं। अब अमेरिकी एक्सपर्ट ये विश्लेषण कर रहे हैं कि चीन और भारत के रिश्ते तो दुश्मनी वाले थे। आखिर मोदी ने शी जिनपिंग पर क्या जादू कर दिया कि अब सीमा के विवाद पर भी बात हो रही है। दोनों देशों के नेता एक दूसरे के यहां दौरे कर रहे हैं। क्या ये सब अमेरिका को घेरने की रणनीति है?

संग मेरे चलोगे निखर जाओगे

हमसे न मिले तो किधर जाओगे
हमसे दूर जाने किधर जाओगे।

सांसों में मेरे ठहरो जरा दो पल
संग मेरे चलो निखर जाओगे।

दूसरों की नजरों से देखोगे मुझे
राहों में तुम कहीं बिखर जाओगे।

कमसिन,नादां,मासूम हो बहुत तुम
नजरें मिलाओ जरा संवर जाओगे।

लंबे फासले से आए तुमसे मिलने
बेपर्दा होकर दिखो कहर ढाओगे।

तू ही राह कारवां और मंजिल भी तू
संजीव हर सिम्त मुझे नजर आओगे।

सिम्त- दिशा,

संजीव ठाकुर,

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

न्याय होता हुआ दिखे : तारीख़ पर तारीख़ की संस्कृति बदले

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 75 वर्ष का गरिमामय सफर पूरा किया है। यह केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को परखने का अवसर भी है। न्यायपालिका ने इन आठ दशकों में अनेक युगांतरकारी फैसले दिये, जिन्होंने संविधान की मर्यादा और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की। किंतु आज सबसे बड़ी चुनौती न्याय में विलंब की है। समय पर न्याय न मिले तो न्याय का वास्तविक अर्थ ही खो जाता है। शायद यही कारण है कि न्यायिक बिरादरी के आयोजनों में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्य न्यायाधीशों ने एक स्वर से कहा कि अब 'तारीख़ पर तारीख़' की संस्कृति को समाप्त करने का समय आ गया है। जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है।

सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है।

इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। महिलाओं के खिलाफअपराधों बढ़ोतरी से पूरा समाज हिला हुआ है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि अपराधियों के मन से कानून का भय लगभग समाप्त हो चुका है। यही कारण है कि अब न केवल कठोर कानून बल्कि त्वरित और निष्पक्ष न्याय की मांग बलवती हो रही है। आज न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती है-न्याय में विलंब। जिला अदालतों से लेकर उच्चतम न्यायालय तक करोड़ों मामले लंबित हैं। केवल जिला अदालतों में ही साढ़े चार करोड़ से अधिक मामले अटके पड़े हैं। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा को आहत करती है, क्योंकि न्याय में विलंब, न्याय के इनकार के समान है।

दरअसल, लंबित मामलों के पीछे कई कारण हैं- न्यायाधीशों की अपर्याप्त संख्या, अदालती प्रक्रियाओं की जटिलता, अनावश्यक स्थगन, वकीलों द्वारा मुकदमों को खींचना और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही। यही वजह है कि अपराधियों के मन से कानून का भय कम होता जा रहा है और आम नागरिक का भरोसा डगमगाने लगता है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ जिला एवं स्थानीय अदालतें हैं। यदि इन स्तरों पर शीघ्र और सस्ता न्याय नहीं मिलेगा, तो सुप्रीम कोर्ट की उपलब्धियां अधूरी मानी जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय समय-समय पर स्वतः संज्ञान लेकर राहत देता रहा है-जैसे हाल ही में डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनवाने की पहल। किंतु जिला स्तर पर ऐसी सजगता और सक्रियता नहीं दिखाई देती। इसलिए सुधार की असली शुरुआत निचले स्तर से ही करनी होगी।

भारतीय न्याय प्रणाली की विसंगतियां और सुधार की राह जटिल है, लेकिन असंभव नहीं है। दृढ़ संकल्प एवं कार्ययोजना के साथ आगे बढ़े तो आजादी के अमृतकाल में हम न्याय प्रणाली को युगांतरकारी मोड़ दे सकते हैं। देश में जनसंख्या के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। तत्काल नियुक्तियों और प्रशिक्षण की व्यवस्था होनी चाहिए। ई-कोर्ट, ऑनलाइन सुनवाई, डिजिटल साक्ष्य प्रबंधन जैसे कदम न्याय प्रक्रिया को गति दे सकते हैं। अनावश्यक स्थगन पर अंकुश जरूरी है। क्योंकि स्थगन देने की परंपरा अपराधियों और वकीलों के लिये हथियार बन चुकी है। इस पर कड़ा नियंत्रण जरूरी है। पुलिस व जांच एजेंसियों को दायित्वशील एवं जिम्मेदार बनाना होगा। क्योंकि पुख्ता सबूतों और चार्जशीट समय पर दाखिल करने से ही मामलों में शीघ्र निर्णय संभव है। अदालतों के साथ-साथ वकीलों और पुलिस पर भी जवाबदेही तय करनी होगी। महिलाओं, बच्चों और संवेदनशील मामलों के लिये विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतों को और मजबूती देनी होगी।

न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा। अमेरिका जैसे देशों में किसी भी मामले के लिए अधिकतम अवधि तीन वर्ष तय है, जबकि भारत में 20-30 वर्षों तक मुकदमे चलते रहना आम बात है। इस विसंगति को दूर करने के लिए नियत अवधि और अधिकतम तारीखों की सीमा तय की जानी चाहिए। हाल ही में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी की उम्मीद है। यदि इन कानूनों का सही क्रियान्वयन हो, तो 'तारीख पर तारीख' की संस्कृति पर अंकुश लग सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय का 75 वर्ष का यह सफर लोकतंत्र के इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। इस अवधि में आपातकाल जैसे संकटों से लेकर सामाजिक न्याय, पर्यावरण संरक्षण, महिलाओं के अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तक अनेक क्षेत्रों में इसने ऐतिहासिक निर्णय दिए हैं। किंतु आने वाले 25 वर्षों में न्यायपालिका की असली परीक्षा इस बात पर होगी कि वह न्याय को त्वरित, सुलभ और सर्वसुलभ बना पाती है या नहीं? न्यायपालिका आज भी आम नागरिक के लिये अंतिम आशा की किरण है। परंतु इस भरोसे को जीवित रखने के लिए उसे अपनी कमजोरियों को दूर कर एक नए युग की शुरुआत करनी होगी-जहाँ न्याय केवल ÷होता हुआ÷ न रहे, बल्कि ÷दिखता हुआ÷ भी हो। यही सर्वोच्च न्यायालय की 75 साल की यात्रा का वास्तविक उत्सव और सार्थक स्मरण होगा।

यह निजी विचार है।

स्कूली बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य : एक सामूहिक जिम्मेदारी

डॉ. मनोज कुमार तिवारी वरिष्ठ परामर्शदाता
एआरटीसी, एस एस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी

आज के दौर में स्कूली बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और उस पर ध्यान देना अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। बच्चे हमारे समाज और राष्ट्र का भविष्य हैं, और एक स्वस्थ भविष्य की नींव उनके शारीरिक और मानसिक कल्याण पर ही टिकी होती है। जिस प्रकार हम उनके शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर सजग रहते हैं, उसी प्रकार उनके मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना भी अनिवार्य है।

बच्चों में मानसिक स्वास्थ्य की चिंताजनक स्थिति

आधुनिक जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा के इस युग में बच्चे छोटी उम्र से ही कई तरह के दबावों का सामना कर रहे हैं। आंकड़े इस स्थिति की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। शोधों से यह पता चलता है कि हर 5 में से 1 बच्चे में कोई न कोई भावनात्मक, व्यवहारिक या मानसिक स्वास्थ्य विकार पाया जाता है। लगभग 10 में से 1 युवा किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य चुनौती से जूझ रहा है। यह एक गंभीर विषय है कि 10 से 15 वर्ष की आयु के कई बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनके पास अपनी चिंताओं या उदासी को साझा करने के लिए कोई नहीं है, विशेषकर स्कूल के माहौल में।

यह भी एक स्थापित तथ्य है कि लगभग 50त्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं 14 वर्ष की आयु तक और 75त्न समस्याएं 24 वर्ष की आयु तक विकसित हो जाती हैं। भारत में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) के एक अध्ययन में पाया गया है कि भारत में लगभग 23त्न स्कूली बच्चे मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। चिंता की बात यह है कि इनमें से अधिकांश बच्चों को समय पर उचित पहचान और इलाज नहीं मिल पाता, जो उनके भविष्य के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है।

संपूर्ण विकास के लिए मानसिक स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका

स्कूल जाने की उम्र, विशेष रूप से 6 से 14 वर्ष, बच्चों के विकास का एक निर्णायक चरण होता है। इस दौरान उनका शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक और शैक्षिक विकास तीव्र गति से होता है। विकास के ये सभी आयाम एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। यदि किसी एक आयाम में भी कोई बाधा आती है, तो उसका नकारात्मक प्रभाव अन्य सभी आयामों पर पड़ता है।

इसे एक सरल उदाहरण से समझ सकते हैं। मान लीजिए, एक बच्चा शारीरिक रूप से कमजोर है। इस कमजोरी के कारण वह अपने हमउम्र बच्चों के साथ खेलकूद में भाग नहीं ले पाता या पिछड़ जाता है। बार-बार हारने या पीछे रह जाने के अनुभव से उसका आत्मविश्वास कम हो जाता है और वह धीरे-धीरे बच्चों के समूह से कटने लगता है। इस सामाजिक अलगाव के कारण उसका भाषा और संवाद कौशल ठीक से विकसित नहीं हो पाता, क्योंकि भाषा एक अर्जित गुण है जो सामाजिक संपर्क से ही निखरता है।

लगातार नकारात्मक भावनाओं (जैसे उदासी, हीन भावना) से घिरे रहने के कारण उसका भावनात्मक विकास भी प्रभावित होता है। ऐसे बच्चे स्कूल में अक्सर अनुपस्थित रहते हैं और जब उपस्थित होते भी हैं, तो सीखने की प्रक्रिया में पूरी तरह से शामिल नहीं हो पाते। चूंकि शिक्षा का माध्यम भाषा है और उनका भाषा विकास पहले से ही कमजोर है, उन्हें पाठ को समझने में कठिनाई होती है, जिससे उनका शैक्षिक प्रदर्शन भी गिर जाता है। भविष्य में खराब शैक्षिक प्रदर्शन के कारण अच्छे करियर के अवसर कम हो जाते हैं, जिसका सीधा असर उनके आर्थिक और पारिवारिक जीवन पर पड़ता है। इस प्रकार, एक साधारण शारीरिक समस्या मानसिक और भावनात्मक चुनौतियों से जुड़कर बच्चे के संपूर्ण विकास को बाधित कर देती है।

मानसिक रूप से स्वस्थ छात्र के लक्षण

यह जानना महत्वपूर्ण है कि एक मानसिक रूप से स्वस्थ छात्र कैसा होता है। ऐसा बच्चा न केवल अकादमिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करता है, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी संतुलित होता है। कुछ प्रमुख लक्षण इस प्रकार हैं:

तार्किक और विवेकशील चिंतन: वह स्थितियों का सही आकलन कर पाता है और सोच-समझकर निर्णय लेता है।

समस्या-समाधान की क्षमता: वह चुनौतियों से घबराता नहीं, बल्कि उनका समाधान खोजने का प्रयास करता है।

सृजनात्मकता: उसमें नए विचारों को सोचने और उन्हें व्यक्त करने का कौशल होता है।

सीखने की उत्सुकता: वह नई और उपयोगी अवधारणाओं को आसानी से सीखता है।

समायोजन की क्षमता: वह नई और विषम परिस्थितियों में भी स्वयं को प्रभावी ढंग से ढाल लेता है।

भावनात्मक संतुलन: वह सकारात्मक भावनाओं को बनाए रखता है और क्रोध, भय या ईर्ष्या जैसी नकारात्मक भावनाओं पर नियंत्रण रखना जानता है।

शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य का गहरा संबंध

छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का उनके शैक्षिक विकास पर सीधा और गहरा प्रभाव पड़ता है। जब बच्चे नकारात्मक भावनाओं जैसे- भय, क्रोध, घृणा, आत्मविश्वास में कमी या असहायता से ग्रस्त होते हैं, तो उनकी संज्ञानात्मक क्षमताएं (सीखना, याद रखना, सोचना, तर्क करना) ठीक से काम नहीं कर पातीं। उदाहरण के लिए, परीक्षा का अत्यधिक भय याद की हुई चीजों को भी भुला सकता है। इसी तरह, क्रोध की स्थिति में बच्चा अपना नियंत्रण खो देता है और सीखने पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाता।

दूसरी ओर, शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूल का वातावरण भी छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। एक सकारात्मक, सहयोगी और सुरक्षित स्कूल का माहौल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाता है, जबकि एक नकारात्मक या दमनकारी वातावरण उनमें तनाव और चिंता पैदा कर सकता है। शिक्षकों का व्यवहार, उनकी शिक्षण शैली, सहपाठियों के साथ संबंध और स्कूल का अनुशासन, यह सभी कारक मिलकर छात्र के मानसिक स्वास्थ्य को आकार देते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन में विद्यालय की भूमिका

विद्यालय बच्चों के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके लिए निम्नलिखित प्रयास किए जाने चाहिए: 1. सकारात्मक वातावरण: स्कूल का भौतिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वातावरण सहयोगी और सौहार्दपूर्ण होना चाहिए, जहां हर बच्चा सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे।

2. छात्र-केंद्रित शिक्षण: शिक्षण योजना और विधियों का चुनाव छात्रों की रुचि, योग्यता, उम्र और परिपक्वता के अनुसार किया जाना चाहिए।

3. संतुलित पाठ्यक्रम: पाठ्यक्रम ऐसा हो जो बच्चों पर अनावश्यक बोझ न डाले और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करे।

4. मनोरंजन और सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ: खेलकूद, संगीत, नृत्य, कला, एनसीसी, एनएसएस जैसी गतिविधियों का नियमित आयोजन किया जाना चाहिए ताकि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके।

5 शिक्षकों का आदर्श व्यवहार: शिक्षकों का व्यवहार छात्रों के प्रति सहयोगात्मक, सहानुभूतिपूर्ण और आदर्श होना चाहिए। उन्हें एक मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए।

6 समस्या-समाधान का कौशल सिखाना: शिक्षकों को छात्रों की हर समस्या को हल करने के बजाय, उन्हें समस्या को हल करने की प्रक्रिया सिखानी चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बनें।

7 आत्मविश्वास बढ़ाना: छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार चुनौतीपूर्ण कार्य देकर और उन्हें पूरा करने पर प्रोत्साहित करके उनका आत्मविश्वास बढ़ाना चाहिए।

8 तार्किक अनुशासन: स्कूल का अनुशासन बहुत अधिक सख्त या बहुत अधिक लचीला नहीं होना चाहिए। यह तर्कसंगत और संतुलित हो।

9. तुलना से बचें: हर बच्चा अद्वितीय है। शिक्षकों को छात्रों की एक-दूसरे से अनावश्यक तुलना करने से बचना चाहिए, क्योंकि इससे उनमें हीन भावना पैदा हो सकती है।

10.परीक्षा का भय दूर करें: छात्रों को परीक्षा को एक अवसर के रूप में देखने के लिए प्रेरित करना चाहिए, न कि एक बाधा के रूप में। साल की शुरुआत से ही तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य में माता-पिता की भूमिका

परिवार बच्चे की पहली पाठशाला होता है, और माता-पिता उसके पहले शिक्षक। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को आकार देने में उनकी भूमिका सबसे अहम होती है। घर का वातावरण, माता-पिता का आपसी संबंध और बच्चों के प्रति उनका व्यवहार, ये सभी चीजें बच्चे के कोमल मन पर गहरा प्रभाव डालती हैं। अभिभावकों को निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए:

गुणवत्तापूर्ण समय दें: बच्चों के साथ समय बिताएं, उनसे बात करें, उनकी सुनें और उनकी भावनाओं को समझने का प्रयास करें।

क अवास्तविक अपेक्षाएं न रखें: अपने बच्चों पर अपनी अधूरी इच्छाओं का बोझ न डालें। उनकी क्षमताओं को समझें और उसी के अनुसार उनसे अपेक्षा करें।

क तुलना न करें: अपने बच्चे की तुलना कभी भी दूसरे बच्चों से न करें। इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर होता है।

क प्रोत्साहित करें: उनके अच्छे कार्यों और प्रयासों के लिए उनकी सराहना करें। इससे उन्हें बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है।

क तार्किक अनुशासन: घर में एक अनुशासित लेकिन प्रेमपूर्ण माहौल बनाएं। नियम तार्किक होने चाहिए और बच्चों को उनके कारण पता होने चाहिए।

क डिजिटल उपकरणों का संतुलित उपयोग: इंटरनेट और स्मार्टफोन जैसी सुविधाएं आवश्यकतानुसार दें, लेकिन उनके उपयोग का समय निर्धारित करें और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर नजर रखें।

एक सामूहिक प्रयास की आवश्यकता

बच्चों का मन कोमल होता है और उनका मस्तिष्क विकास की अवस्था में होता है। उनके प्रति किया गया कोई भी कठोर या असंगत व्यवहार उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक चुनौती बन सकता है। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि एक समेकित प्रयास की मांग करता है। इसमें माता-पिता, भाई-बहन, शिक्षक, स्कूल प्रशासन और पूरे समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब हर स्तर पर बच्चों को एक सकारात्मक, सुरक्षित और प्रेमपूर्ण वातावरण मिलेगा, तभी उनका मानसिक स्वास्थ्य उत्तम होगा। एक मानसिक रूप से स्वस्थ बच्चा ही अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे पाएगा। जैसा कि कहा गया है, ÷बच्चे ही राष्ट्र का भविष्य होते हैं,÷ इस भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए उनके मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। **यह निजी विचार है।**

डिजिटल इंडिया की उपलब्धि : एनईजीडी ने डिजिलॉकर और ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म पर लगभग 2,000 ई-सरकारी सेवाओं का अखिल भारतीय एकीकरण अर्जित किया

सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिक अब कहीं भी, कभी भी प्रमाण पत्र, कल्याणकारी योजनाओं, सुविधा केन?द्र भुगतानों और अधिक नागरिक केंद्रित सेवाओं तक निर्बाध पहुंच प्राप्त कर सकते हैं

पीआईबी

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग (एनईजीडी) ने डिजिलॉकर और ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म पर ई-गवर्नेंस सेवाओं के अखिल भारतीय समेकन को सक्षम बनाने के जरिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। इस उपलब्धि के साथ, सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के नागरिक अब कहीं भी, कभी भी लगभग 2,000 डिजिटल सेवाओं का निर्बाध उपयोग कर सकते हैं।

एकीकृत सेवाएं प्रमाणपत्र, कल्याणकारी योजनाओं, सुविधा केन्द्र भुगतानों और अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित नागरिकों की व्यापक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं, जिससे वितरण में सुविधा, दक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। यह प्रगति डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के विज़न को साकार करने, कागज रहित और गतिशील शासन को बढ़ावा देने तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में प्रत्यक्ष योगदान देने की दिशा में एक बड़ी छलांग है।

डिजिलॉकर अंतर-संचालनीयता, डेटा सुरक्षा और बहु-हितधारक समन्वय की चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करने के माध्यम से भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना एक मजबूत स्तंभ के रूप में उभरा है। इसके नवोन्मेषी और सुदृढ़ ढांचे ने पहुंच में सुगमता, समावेशिता और विश्वसनीयता को संभव बनाया है और देश भर के नागरिकों को विश्वसनीय डिजिटल सेवाओं से सशक्त बनाया है।

इस विस्तार के साथ, महाराष्ट्र में नागरिकों को अब सबसे अधिक 254 सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हुई है, उसके बाद दिल्ली में 123, कर्नाटक में 113, असम में 102 और उत्तर प्रदेश में 86 सेवाएं उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, केरल और जम्मू-कश्मीर प्रत्येक 77 सेवाएं प्रदान करते हैं, जबकि आंध्र प्रदेश 76 और गुजरात 64 सेवाएं प्रदान करता है। इसी प्रकार, तमिलनाडु और गोवा प्रत्येक 63 सेवाएं प्रदान करते हैं, जबकि हरियाणा 60 और हिमाचल प्रदेश 58 सेवाएं प्रदान करता है। कुल मिलाकर, वर्तमान में देश भर में नागरिकों के लिए 1,938 सेवाएं उपलब्ध हैं।

इस सफलता के आधार पर, एनईजीडी की योजना एआई-संचालित दृष्टिकोण के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाकर ई-सरकारी सेवाओं के पोर्टफेलियो का और विस्तार करने की है। राज्य स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, साथ ही निरंतर नवोन्मेषण से अधिक समावेशिता और सेवाओं की बेहतर तथा समग्र पहुंच सुनिश्चित होगी।

यह उपलब्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल रूप से सक्षम और समावेशी भारत के विजन के अनुरूप नागरिकों को सशक्त बनाने और शासन में परिवर्तन लाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

एनईजीडी के बारे में

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2009 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (एक गैर-लाभकारी संस्था), जो धारा 8 के अंतर्गत आती है, के अंतर्गत एक स्वतंत्र व्यावसायिक प्रभाग के रूप में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग की स्थापना की। 2009 से, एनईजीडी, कार्यक्रम प्रबंधन और ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के कार्यान्वयन में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सहयोग प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है; यह केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर मंत्रालयों/विभागों के साथ-साथ अन्य सरकारी

संगठनों को तकनीकी और परामर्शी सहायता प्रदान करता है। एनईजीडी के महत्वपूर्ण प्रचालनगत क्षेत्रों में प्रमुख डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यक्रम प्रबंधन, परियोजना विकास, प्रौद्योगिकी प्रबंधन, क्षमता निर्माण, जागरूकता और संचार संबंधी कार्यकलाप शामिल हैं। एनईजीडी ने डिजिलॉकर, एंटिटी लॉकर, उमंग, ओपनफोर्ज, एपीआई सेतु, मायस्कीम, इंडिया स्टैक ग्लोबल, मेरी पहचान, यूएक्स4जी आदि जैसे कई राष्ट्रीय सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित और प्रबंधित किए हैं।

बागेश्वर में बादल फटने के बाद खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

शिमला में भूस्खलन के बाद अवरुद्ध सड़क से मलबा हटाते अग्निशमन कर्मी।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 में शहीदी पर्व के अवसर पर तीर्थ यात्रा का आयोजन

7 सितंबर को तीर्थ यात्रा को अरदास के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए विशेष आमंत्रित

रायपुर : लोकशक्ति

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350 में शहीदी पर्व के अवसर पर तख्त श्री पटना साहिब गुरुद्वारा व राजगीर शीतल कुंड साहब बिहार के लिए तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया है। यह यात्रा 7 सितंबर को रायपुर से शुरू होकर 12 सितंबर को रायपुर में ही समाप्त होगी।

यात्रा का नेतृत्व इस तीर्थ यात्रा का नेतृत्व छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज बेमेतरा जिला के अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा, यश सिंघ सलूजा और इंदर सिंह दत्ता कर रहे हैं। तीर्थ यात्रा को अरदास के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के लिए विशेष आमंत्रित

छत्तीसगढ़ सिख समाज बेमेतरा जिला के अध्यक्ष हरदीप सिंह राजा छाबड़ा ने छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, वरिष्ठ समाज सेवक परविंदर सिंह भाटिया, बाबा बुड्ढा जी साहिब गुरुद्वारा रायपुर के प्रधान हरकिशन सिंह राजपूत एवं छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा को आमंत्रण पत्र सौंपकर यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने का आग्रह किया है।

'राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण' पर विभागीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा आयुष मंत्रालय

पीआईबी

आयुष मंत्रालय 3 और 4 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में सरिता विहार स्थित अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में ÷राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण÷ विषय पर दो दिवसीय विभागीय शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव करेंगे।

आगामी शिखर सम्मेलन का उद्देश्य राज्य-विशिष्ट टिप्पणियों और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं पर विस्तृत चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिसमें जमीनी स्तर के सुझाव भी शामिल हैं। इस तरह के सहभागी दृष्टिकोण का उद्देश्य राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) को मजबूत और महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित करना है। यह एक प्रमुख कार्यक्रम आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी प्रणालियों को एकीकृत करके समग्र स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देता है।

आगामी शिखर सम्मेलन, 2025 में चौथे मुख्य सचिवों के सम्मेलन के

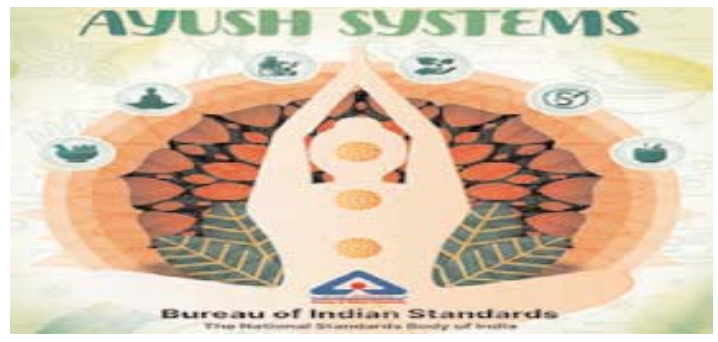

दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विशेष ध्यान दिए गए छह विषयगत शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का अंतिम आयोजन है। वर्ष भर आयोजित होने वाले ये शिखर सम्मेलन, केंद्र सरकार और सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारियों को प्रमुख विषयों पर केंद्रित विचार-विमर्श के लिए एक मंच प्रदान करते हैं, जिससे क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए कनिष्ठ अधिकारियों सहित सभी स्तरों पर भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।

इस दृष्टिकोण के अनुरूप, नीति आयोग ने शिखर सम्मेलनों के लिए छह विषयगत क्षेत्रों की पहचान की। ÷राष्ट्रीय आयुष मिशन और राज्यों में क्षमता निर्माण÷ को छठे और अंतिम विषय के रूप में चुना गया, जिसमें आयुष मंत्रालय को नोडल मंत्रालय नामित किया गया, जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का समर्थन प्राप्त है।

नीति आयोग के निर्देशों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुकूलन सत्रों और संकल्पना टिप्पणी (दिनांक 6 मई 2025) के प्रसार सहित व्यापक तैयारी गतिविधियाँ शुरू की हैं।

केंद्रित संवाद को सुगम बनाने के लिए, छह विषयगत उप-समूह गठित किए गए हैं, जिनमें से प्रत्येक मिशन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया जाएगा और जिसमें 6-7 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल होंगे। कार्य समूह राज्यों और समन्वय के लिए प्रमुख नोडल राज्यों के साथ उप-विषय इस प्रकार हैं:

वित्तीय प्रबंधन, निगरानी एवं मूल्यांकन, परियोजना प्रबंधनः राजस्थान, मिजोरम, मेघालय, चंडीगढ़, पश्चिम बंगाल, लक्षद्वीप। नोडल राज्यः राजस्थान और मिजोरम। संगठनात्मक संरचना समीक्षा, जिसमें मानव संसाधन सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण शामिल हैः मध्य प्रदेश, सिक्किम, गोवा, बिहार, दिल्ली, नागालैंड। नोडल राज्यः मध्य प्रदेश और सिक्किम। आयुष का आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एकीकरण, जिसमें जन स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैंः छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, ओडिशा, लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश। नोडल राज्यः छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश। आयुष सुविधाओं के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ, जिनमें बुनियादी ढाँचा, आईपीएचएस आयुष मानक, स्वास्थ्य सेवा वितरण शामिल हैंः उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, अंडमान-निकोबार द्वीप समूह, त्रिपुरा, मणिपुर। नोडल राज्यः उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश।

आयुष चिकित्सा और इसकी खरीद प्रणाली का गुणवत्ता आश्वासन, जिसमें ब्रांडिंग और पैकेजिंग शामिल हैः कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, झारखंड, पुदुचेरी, असम। नोडल राज्यः कर्नाटक और असम। विभिन्न क्षेत्रों में आईटी-सक्षम डिजिटल सेवाएँः आंध्र प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, दमण और दीव, केरल। नोडल राज्यः केरल और महाराष्ट्र। इस शिखर सम्मेलन में देश भर के अतिरिक्त मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, महानिदेशकों, मिशन निदेशकों और आयुष आयुक्तों जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के उपस्थित रहने की संभावना है। आयुर्वेद, अनुसंधान, स्वास्थ्य नीति और डिजिटल शासन के क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता वाले प्रख्यात विशेषज्ञों और पैनलिस्टों को सत्रों को समृद्ध बनाने के लिए आमंत्रित किया गया है। विशेषज्ञों की सूची में डॉ. वी.के. पॉल, सदस्य, नीति आयोग, श्री जे.एल.एन शास्त्री, आयुर्वेदाचार्य, डॉ. वी. एम. कटोच पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर, प्रो. भूषण पटवर्धन और कई अन्य शामिल हैं।

वित्तीय प्रबंधन और संगठनात्मक सुधार से लेकर गुणवत्ता आश्वासन और आईटी-सक्षम सेवाओं तक के क्षेत्रों को शामिल करते हुए, विषयों और संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के समूहों को सावधानीपूर्वक रेखांकित किया गया है। प्रत्येक उप-विषय का समन्वय दो नोडल राज्यों द्वारा किया जाता है, जिससे केंद्रित और प्रभावी विचार-विमर्श सुनिश्चित होता है।

''गर्व से स्वदेशी की भावनाहमें फिट रहने और स्वस्थ भारत के निर्माण के लिए स्वदेशी तरीकों को अपनाने के लिए अवश्य प्रेरित करेगी'' - डॉ. मनसुख

केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय राजधानी में नागरिकों के साथ साइकिल चलाई, राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 भारत के अब तक के सबसे बड़े फिटनेस आंदोलन के रूप में परिणत हो रहा है

'संडे ऑन साइकिल'एक ऐसा आंदोलन है जो भारतीयों को उनकी मिट्टी से जोड़ता है, स्थिरता को बढ़ावा देता है और आत्मनिर्भर भारत के विजन को मूर्त रूप देता है - खेल मंत्री

तीन दिवसीय खेल जन-आंदोलन के अंतिम दिन देश भर में 10,000 स्थानों पर 'संडे ऑन साइकिल'कार्यक्रम चलाया गया

पीआईबी

राष्ट्रीय राजधानी आज सुबह उस समय जीवंत हो उठी, जब प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के अवसर पर राष्ट्रीय खेल महासंघों के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के विशेष संस्करण का आयोजन किया गया।इसका नेतृत्व केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने किया। यह कार्यक्रम हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर उनके सम्मान में

आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय खेल उत्सव के समापन दिवस का हिस्सा था।

डॉ. मांडविया ने साइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया और इसे एक ऐसा आंदोलन बताया जो ''भारतीयों को उनकी धरती से जोड़ता है, स्थिरता को बढ़ावा देता है और आत्मनिर्भर भारत के विजन को साकार करता है।'' उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहाः ''तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह एक वास?तविक जन आंदोलन में बदल गया है। गांव के खेल के मैदानों से लेकर राष्ट्रीय स्टेडियमों तक, लगभग 30 करोड़ भारतीयों ने खेल, फिटनेस और मेजर ध्यानचंद जी की विरासत का उत?सव मनाया है। यह अभूतपूर्व भागीदारी भारत की बढ़ती खेल संस्कृति और फिटनेस को जीवन का एक हिस्सा बनाने के हमारे सामूहिक संकल्प को दर्शाती है।'' उन्होंने कहा, ''साइकिल चलाना सिर्फ व्यायाम नहीं है, यह अपनी जड़ों से फिर से जुड़ने का माध?यम है। इस तरह की सरल और टिकाऊ कार्य प्रणलियां हमारी आत्मनिर्भरता और जो हमारा है, उस पर गर्व करने के हमारे आदर्शों को दर्शाती हैं। गर्व से स्वदेशी की यह भावना हमें स्वस्थ और मजबूत रहने के स्वदेशी तरीकों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, साथ ही एक स्वस्थ और आत्मविश्वासी भारत का निर्माण भी करती है।''

इस पहल का राष्ट्रव्यापी स्तर अभूतपूर्व रहा। 700 जिलों के 10,000 से अधिक स्थानों पर, लगभग 30 करोड़ नागरिकों ने खेल के मैदानों केकार्यकलापों, साइकिलिंग रैलियों और स्वदेशी खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। देश के विभिन्न हिस्सों से 3,000 से अधिक नमो फिट इंडिया क्लब साइक्लिंग भी इसमें शामिल हुए, जिससे फिटनेस, स्थिरता और सामुदायिक भावना का संदेश और मजबूत हुआ।

हिमालय की घाटियों से लेकर तटीय शहरों तकऔर महानगरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक, राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 के इस ऐतिहासिक तीन दिवसीय समारोह के तीसरे दिन, भारत ने एक साथ साइकिलिंग की। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने समानान्तर कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें प्रतिष्ठित एथलीटों और जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों के साथ मिलकर साइकिलिंग की। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र में 2500 से ज?यादा प्रतिभागियों के साथ साइकिलिंग की, तेलंगाना के राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने तेलंगाना में 1000 से अधिक उत्साही लोगों के साथ संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जबकि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अन्य सांसदों और प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भी इसमें भाग लिया।

इस उत्साह को और बढ़ाते हुए, मुंबई के बोरीवली राष्ट्रीय उद्यान में 'संडे ऑन साइकिल'का एक विशेष संस्करण आयोजित किया गया, जिसमें केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे और बॉलीवुड के विख?यात अभिनेता जैकी श्रॉफने भाग लिया। श्रीमती रक्षा खडसे ने कहा, ''डॉ. मनसुख मांडविया के विजन के तहत, हमारा खेल मंत्रालय पिछले एक साल से देश के विभिन्न हिस्सों में 'संडे ऑन साइकिल'का आयोजन कर रहा है। आज, मैंने मुंबई में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया। 'संडे ऑन साइकिल'लोगों में फिटनेस के प्रति जागरूकता फैलाने का एक मिशन है।''

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

सबरिया समाज के बीच पहुंचकर पामगढ़ थाना प्रभारी ने लगाया चौपाल

स्वरोजगार और आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य से की गई जन संवाद

जांजगीर चांपा / ग्राम कमरीद में आज सबरिया समाज के बीच पहुंचकर पामगढ़ थाना प्रभारी मनोहर सिन्हा ने जन चौपाल लगाया । पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस द्वारा सोशल पुलिसिंग के तहत जिले के सबरिया समुदाय के लोगों को हुनरमंद बनाने के लिए सख्त प्रयास किया जा रहा है, और उन्हें विशेष ट्रेनिंग भी कराई जा रही है ताकि वे आर्थिक रूप से सम्बल हो सके। इसी क्रम में सबरिया समाज के महिलाओं को बिहान ग्रुप में भी जोड़ा जा चुका है।

इसी क्रम में आज दिनांक 31 अगस्त 2025 को थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिन्हा स्वयं पामगढ़ क्षेत्र के ग्राम कमरीद सबरिया डेरा पहुंचे जहां जन चौपाल लगाकर जन संवाद किया गया। इस दौरान लोगो के सभी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए समाधान का आश्वासन दिया और कुछ समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी पामगढ़ ने लोगो से आग्रह किया कि अवैध शराब नहीं बनाये , न ही किसी प्रकार का अवैध शराब बिक्री करें, शराब बनाने या अवैध गतिविधि की जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि जनता की भागीदारी से ही अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है। चौपाल के आयोजन से लोगों में सकारात्मक माहौल देखने को मिला और लोगों ने पुलिस प्रशासन के इस पहल की सराहना की।

उपरोक्त कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के सबरिया समुदाय के गणमान्य नागरिक सहित लगभग 100 लोग उपस्थित रहे।

भारतीय जनता युवा मोर्चा का पूतला दहन कार्यक्रम आज

जांजगीर चांपा / कांग्रेस पार्टी के द्वारा बिहार के दरभंगा में चुनावी रैली के दौरान देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी एवं उनके माता जी को गाली गलौज और उनके खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है ।

कांग्रेस पार्टी ने मर्यादा की सारी हदें पार कर दी है जिसके विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला जांजगीर चाम्पा के द्वारा कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी का पुतला दहन आज 1 सितंबर को भारत माता चौक जांजगीर में शाम 3 बजे किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के समस्त कार्यकर्ताओं से कार्यक्रम मे बड़ी संख्या में पहुंचकर इस अपमान के विरोध में स्वर साझा करने का निवेदन किया गया है ।

जांजगीर- चांपा - केंद्रीय विद्यालय जांजगीर के दस वर्षीय छात्र श्रेष्ठ द्विवेदी राष्ट्रीय कराटे चैंपियन शिप 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया । खेल दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर जनमेजय महोबे , एस पी विजय पाण्डेय , भाजपा जिला अध्यक्ष अंबेश जांगड़े, भाजपा जननेता इंजी.रवि पांडेय की मौजूदगी में उत्कृष्ट खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया।

ट्रेलर चालक से मारपीट लूट के आरोपी बिलासपुर से गिरफ्तार सायबर सेल तथा थाना बलौदा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही

जांजगीर चांपा / संवाददाता

ट्रेलर चालक से मारपीट व लूट के आरोपी को सायबर सेल बलौदा पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है । मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी दीपक बरेठ निवासी नाका नवलपुर थाना उरगा जिला कोरबा दिनांक 30 अगस्त 2025 को थाना बलौदा उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह ड्रायवरी का काम करता है । ट्रेलर क्रमांक सीजी 12 बीजे 9720 को लेकर कुसमुंडा से कोयला भरकर जयराम नगर जा रहा था , इसके साथ कंपनी की एक अन्य ट्रेलर को शिव प्रकाश पांडे चला रहा था । दोनों सामने सामने जा रहे थे कि रात्रि करीब 3 बजे ग्राम खिसोरा आमोस फैशन कपडा दुकान के पास मेन रोड के पास पहुंच कर अपने टेलर वाहन का टायर को चेक करने के लिए रूका । साथ में इसका साथी शिव प्रकाश पांडेय अपने टेलर वाहन क्रमांक सीजी 04 एनएक्स 6794 को कुछ दुर में आगे

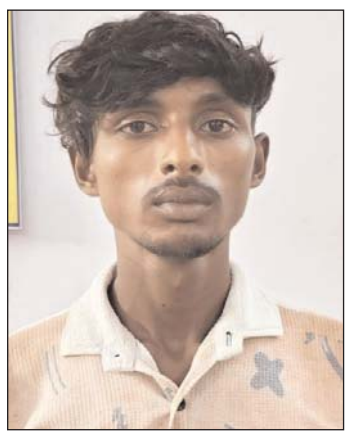

जाकर खडा कर वह भी अपनी गाडी में बैठा था । उसी समय पंतोरा की ओर से मोटर सायकल में सवार 3 अज्ञात व्यक्ति आये और प्रार्थी आहत को अश्लील गाली गलौच व मारपीट कर मोबाईल वीवो कंपनी को लूट लिये। विरोध करने पर एक व्यक्ति द्वारा अपने हाथ में रखे चाकू जैसे नुकीले हथियार से वार किया जिससे प्रार्थी आहत के दाहिने गाल में चोंट लगा हैं तथा तीनों अज्ञात व्यक्ति अपने मोटर सायकल में बलौदा की ओर जाते समय साथी ड्रायवर शिव प्रकाश पांडेय से भी गाली गलौच कर उसके जेब में रखे 3000 रूपये एवं ओप्पो मोबाईल व ड्रायविंग लाईसेंस को लुटकर बलौदा बिलासपुर रोड की ओर भाग गये। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 353/2025 धारा 296,115(2),309(6),3(5) भा.न्या.सं. पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान घटना स्थल निरीक्षण, प्रार्थी गवाहों का कथन एवं आसपास सीसीटीवी का अवलोकन पर घटना दिनांक समय को तीन व्यक्ति घटना स्थल के पास मोटर साइकिल से घूमते हुए दिखाई दिये जिनके संबंध मोबाईल इनपुट के आधार पर पतासाजी कर एक व्यक्ति आरोपी कलेस्वर उर्फसोनू लास्कर की पुष्टि कर तलब कर घटना के संबध में पूछताछ किया गया ,जो अपने अन्य साथियों के साथ काला लाल रंग के मोटर साइकिल डिलक्स में घूमकर घटना घटित करना स्वीकार किये । आरोपी कलेस्वर उर्फ सोनू लास्कर के निषानदेही पर लूट किये रकम मे से 500 रूपए एवं एक मोबाईल तथा घटना में प्रयुक्त एक चाकू जप्त किया गया। आरोपी कलेस्वर लास्कर उर्फ सोनू पिता अशोक लास्कर उम्र 21 वर्ष ग्राम हिडाडीह थाना सीपत जिला बिलासपुर के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से आज दिनांक 31 अगस्त 2025 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। प्रकरण में दो अन्य आरोपी फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है।

उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक सागर पाठक साइबर सेल प्रभारी, थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक राजीव श्रीवास्तव, साइबर टीम प्र आर मनोज तिग्गा, विवेक सिंह, आर. गिरीश कश्यप, माखन साहू, शहबाज खान, प्रदीप दुबे, रोहित कहरा थाना बलौदा से प्रधान आर गजाधर पटनावर, आर ईश्वरी राठौर का सराहनीय योगदान रहा।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत पामगढ़ जनपद में जन चौपाल का आयोजन

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव के अंतर्गत आज जनपद पंचायत पामगढ़ के ग्राम पंचायत कोसा एवं कोनार में जन चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई एवं समय सीमा में आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया गया। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल कुमार रावटे के मार्गदर्शन में जिले में सतत रूप से प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अधिकारियों को निरंतर मॉनिटरिंग करने तथा हितग्राहियों को जागरूक एवं प्रेरित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जन चौपाल के दौरान निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया गया। अपूर्ण आवास वाले हितग्राहियों को 20 अक्टूबर तक आवास पूर्ण करने हेतु प्रेरित किया गया, वहीं प्रथम किश्त प्राप्त करने वाले हितग्राहियों को शीघ्र ही आवास निर्माण प्रारंभ कर समय पर पूर्ण करने कहा गया। इसके साथ ही हितग्राहियों द्वारा आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का समाधान भी मौके पर किया गया, ताकि सभी पात्र परिवार शीघ्र अपने पक्के मकान के सपने को पूरा कर सकें।

तोरणकट्टा में शराब बेचने वालों 31000 दंड, बताने वाले को 11000 ईनाम

राजनांदगांव। जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर बसा सोमनी थाना अंतर्गत आने वाला ग्राम तोरणकट्टा में आमसभा का आयोजन किया गया।जिसमें सर्व समाज के सदस्यों द्वारा गांव में शराबबंदी, जुआ,सट्टा पर प्रतिबंध एवं छोटे बच्चों को दुकान से गुटका पाउच देने पर प्रतिबंध किया गया एवं एवं सार्वजनिक स्थानों में शराब पीने,गांजा पीने एवं पिलाने वालों या बेचने वालों के खिलाफ दंड का प्रावधान किया गया।

जुए सट्टे के साथ आजकल के बच्चों द्वारा मोबाइल में बच्चों का जो लत लगा है उसके संबंध में भी दंड का प्रावधान किया गया है।

गांव में कढ़ाई के साथ पालन के लिए विभिन्न नियम बनाए गए जिसमें शराब पीने वाले को 5000 दंड, शराब पीने वाले की जानकारी बताने वाले को 2000 इनाम दिया जाएगा।शराब गांजा बेचने वाले को 31000 बताने वाले को 5100 इनाम दिया जाएगा और आरोपी अपना दंड स्वीकार नहीं करता है तो डबल चार्ज दंड लिया जाएगा। शराब,गांजा पीकर गाली गलौच करना,अभद्र व्यवहार व घर में भी गाली गलौज करने वाले को 5100 दंड लिया जाएगा। शराब गांजा पीकर गाली गलौज करने के संबंध में बताने वाले को 1100 इनाम दिया जाएगा।गांव में सट्टा जुआ खेलने वाले को आदमी पीछे 31,000 दंड, बताने वालों को 11000 इनाम दिया जाएगा। जिसके यहां मेहमान या रिश्तेदार आता है और शराब गांजा पीकर गाली गलौज करता है और अभद्र व्यवहार करता है तो 5000 दंड और बताने वाले को 1100 इनाम दिया जाएगा. त्यौहार के समय व कोई भी आयोजन के समय गाली-गलौज और मारपीट करने वाले को व गुट बनाने को प्रति व्यक्ति 11000 का दंड बताने वाले को 2000 ईनाम दिया जाएगा।दुकान में खुला डिस्पोजल गिलास बेचना और खरीदना माना है लेने व बेचने वाले को 5000 दंड,बताने वाले को 2000 ईनाम। रात 11 बजे तक कोई भी व्यक्ति घूमते हुए वह मोबाइल चलाते हुए पाया गया तो प्रति व्यक्ति 5000 दंड और बताने वाले को 2000 इनाम दिया जाएगा।15 साल के बच्चों को कम उम्र के बच्चों को गुटखा देना मना है अगर 15 साल के बच्चों को दुकानदार गुटका और पाउच बेचना मना है नही तो दुकानदार के ऊपर 5000 दंड लिया जाएगा, खरीदने वाले के ऊपर 2000 दंड लिया जाएगा।

मोबाइल गेम खेलने वाले व्यक्ति को व बच्चों के परिवार को 5000 का आर्थिक दंड दिया जाएगा,बताने सूचना वाले को उचित इनाम 2000 दंड लिया जाएगा।इस बैठक मे उपसरपंच रेखलाल साहू,शरद साहू,मुकेश साहू, औरान साहू, पिलेश्वर साहू एवं सरपंच प्रतिनिधि जनक ठाकुर एवं विद्या दास साहू गौतम ठाकुर सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

बिहान योजना की उत्कृष्ट सफल दीदियों का सम्मान समारोह आयोजित

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी सहित उपाध्यक्ष, सदस्यों ने किया सम्मानित

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ राज्य गठन के रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में ÷बिहान योजना के सफल दीदियों का संवाद एवं सम्मान समारोह÷ आयोजित किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी सहित उपाध्यक्ष, सदस्यों ने समारोह में बिहान योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य कर आत्मनिर्भरता की मिसाल बनने वाली दीदियों को साल एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस दौरान उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, जिला पंचायत सभापति श्री राजकुमार साहू, श्रीमती प्रियंका सिंह, श्रीमती मोहन कुमारी साहू, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, उप संचालक पंचायत श्री अभिमन्यु साहू सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं स्व-सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित थीं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सत्यलता आनंद मिरी एवं उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया ने

उपस्थित एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं को विभिन्न योजनाओं के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनी है। बिहान योजना से जुड़कर आजीविका मूलक गतिविधियों से जुड़े और एक सशक्त समाज का निर्माण करें। सम्मान समारोह से महिलाओं का उत्साहवर्धन करते हुए अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में बिहान दीदियो के उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। जिसमें रजनी नोरगे-नरियरा, कामिनी सिंह-नवागढ़, गीता सिंह-पहरिया, सुखमति दिवाकर-बलौदा, लक्ष्मी कश्यप-नवागढ़ को परिवार के सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने, जैविक कृषि अपनाने और स्वयं के बल पर आजीविका संवर्धन को प्रोत्साहन हेतु कार्य किया जा रहा है, लखपति दीदी के रूप मे बिहान संगठनों की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है।

प्रांतीय राजपूत क्षत्रिय समाज सेवा समिति निर्वाचन हेतु नामांकन दाखिल।

अध्यक्ष हेतु ठा. देवेश कुमार सिंह ,सचिव हेतु सुरेश सिंह क्षत्रिय एवं कोषाध्यक्ष हेतु पवन सिंह चंदेल ने नामांकन दाखिल किया

जांजगीर चांपा /

रजिस्टार फर्म एवं सोसायटी छ ग शासन से प्राप्त निर्देशानुसार ,छत्तीसगढ़ प्रदेश स्तरीय जांजगीर राजपूत समाज क्षत्रिय सेवा समिति के लिए प्रांतीय निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत अंतिम दिवस 31 अगस्त रविवार को प्रांतीय कार्यालय टी एस प्लाजा जांजगीर में निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह क्षत्री के समक्ष अध्यक्ष पद हेतु ठाकुर देवेश कुमार सिंह ,सचिव हेतु सुरेश सिंह क्षत्रिय एवं कोषाध्यक्ष हेतु पवन सिंह चंदेल ने समस्त नियमों का पालन करते हुए नामांकन दाखिल किया ।

इस अवसर पर निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार सिंह क्षत्री ने बताया कि निर्वाचन की प्रक्रिया दिनांक 22 जुलाई 2025 से प्रारंभ

हुई थी जिसके अंतर्गत समिति में सदस्यता ग्रहण करने की अंतिम तिथि दिनांक 21 अगस्त 2025 तक तय किया गया था जिसके अंतर्गत कुल 488 राजपूत क्षत्रिय परिवार के सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण किया जिसका दावा आपत्ति उपरांत अंतिम प्रकाशन दिनांक 27 अगस्त 2025 को किया गया जिसके अंतर्गत अध्यक्ष ,सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु पक्रिया प्रारंभ किया गया जिसके अंतर्गत उक्त पदों के लिए अंतिम दिवस दिनांक 31 अगस्त को उपरोक्त तीनों सदस्यों ने रजिस्टार फर्म एवं सोसायटी के नियमों के तहत नामांकन दाखिल किया । इस अवसर पर टी एस प्लाजा स्थित प्रांतीय कार्यालय जांजगीर में समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह ,भूपेंद्र सिंह छोटा राणा ,योगेश्वर सिंह बैस ,मन्ना सिंह राणा,किशोर सिंह गहलोत ,श्याम वरदानी सिंह एवं प्रशांत सिंह बंटी उपस्थित थे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा कमेटी में समाजसेवी राजेश पालीवाल बने सदस्य.....

जांजगीर चांपा - लोकसभा क्षेत्र जांजगीर चांपा की सांसद श्रीमती जांगड़े ने 30 अगस्त 2025 को जांजगीर चांपा जिले में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा कमेटी में जिला स्तर पर 9 सदस्यों को अध्यक्ष/सदस्य की जिम्मेदारी दी है,

जिसकी जानकारी सांसद द्वारा अनुशंसा कर जांजगीर चांपा के कलेक्टर को नियुक्ति पत्र की सूची दी गई है जिसमें प्रमुख रूप से रमेश कश्यप सरपंच रोगदा जांजगीर, विद्यानंद बंजारे सरपंच सेंदरी जांजगीर, दिलीप कुमार मरावी सरपंच पकरिया झूलन अकलतरा, मालती राठौर सरपंच धनेली जांजगीर, तेरस महिलांगे सरपंच बोरसी पामगढ़, राजेश पालीवाल नैला , अहिल कुमार डहरिया अमरताल, लखन कंवर बैजलपुर बलौदा, श्रीमती संतोषी सिंह जांजगीर को नियुक्त किया गया है सभी नवनियुक्त अध्यक्ष/सदस्यों का अनुभव एवं मार्गदर्शन निश्चित ही जिले के सर्वांगीण विकास तथा जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मवेशी तस्करी के आरोपी सपड़ाया

आरोपी के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त माजदा वाहन बरामद

जांजगीर चांपा / मुनुंद चौक में मवेशी तस्कर सपड़ाया है , जिसे रेड कार्यवाही कर कोतवाली पुलिस ने पकड़ा है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में पशु तस्करी करने वालो पर कार्यवाही करते हुए अंकुश लाने के लिए जिला पुलिस जांजगीर द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है । इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप एवं सीएसपी श्रीमती कविता ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा पशु तस्करी करने वाले के विरुद्ध मुखबिर सूचना पर रेड कार्यवाही किया । खोखरा से उड़ीसा तरफ अवैध रूप से पशु तस्करी कर ले जाने की सूचना पर गठित रिस्पांस टीम के साथ फोरलेन मुनुद चौक के

पास रेड कार्यवाही किया गया तब सफेद रंग के मजदा वाहन सीजी 11 एजी 1875 को रोक कर तलाशी लिए जाने पर वहां में 25 नग गाय बछड़ा व बैल मिला । इसके संबंध में वाहन चालक संजय सूर्यवंशी निवासी खोखरा से पूछताछ करने पर अवैध रूप से तस्करी करना अपना जुर्म स्वीकार करने पर आरोपी के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही किया गया है।

उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिकांत पांडे, उप निरीक्षक सत्यम कुमार चौहान, प्र.आर. राजकुमार चंद्रा, आर. राजू लाठेवाल एवं रिस्पांस टीम जांजगीर तथा समस्त थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

खास खबर

ग्राम पंचायत आमाखोखरा में सामुदायिक भवन का हुआ भूमि पूजन

जिला पंचायत अध्यक्ष हुए शामिल

कोरबा कोरबा जिले के ग्राम पंचायत आमाखोखरा में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला पंचायत कोरबा अध्यक्ष विशेष रूप से इस अवसर पर शामिल हुईं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भूमि पूजन किया।

ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सामुदायिक भवन के निर्माण से गांव में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए एक सुव्यवस्थित स्थल उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत आमाखोखरा के सरपंच प्रदीप सिंह, गंगा प्रसाद पटेल, नारायण सिंह, विष्णु यादव, विवेक मारकंडे, पंचगण अन्य उपस्थित रहे। सभी ने सामुदायिक भवन को ग्राम के लिए उपयोगी और विकास का अहम प्रतीक बताया।

डीएव्ही पब्लिक स्कूल एसईसीएल में राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ

कोरबा ।

क्षेत्रीय महाप्रबंधक, कोरबा क्षेत्र जे.एकाम्बरम के मार्गदर्शन एवं केपी सिंह अमला अधिकारी(मासं.) के निर्देशन मे दिनांक 29.08.2025 को प्रातरू 7.30 बजे हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस एवं राष्ट्रीय खेल दिवस (एनएसडी) 2025 के अवसर पर डीएव्ही पब्लिक स्कूल, एसईसीएल, कोरबा मे राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम मे श्रीमति अनामिका भारती, प्राचार्य डीएव्ही पब्लिक स्कूल, एसईसीएल, कोरबा, अश्विनी शुक्ला, प्रबन्धक(मासं.) रविकान्त शर्मा(वित्त) एवं नरेंद्र कुमार पटेल(खनन) के समक्ष एसेम्बली, फिटनेस टाल्कस, योगा एवं खो-खो कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ।

श्रीमति अनामिका भारती के द्वारा मेजर ध्यानचंद के जीवन वृतांत को याद कर हाकी के प्रति उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन का सजीव वर्णन किया। अश्विनी शुक्ला के द्वारा हर गली, हर मैदान, खेले सारा हिन्दुस्तान नारा के साथ खेल के विषय मे विस्तृत चर्चा करते हुये प्रतिदिन खेल, योगा, के माध्यम से स्वस्थ रहने एवं अपने जीवनचर्या मे शामिल करने का आग्रह किया, जिसमे कम से कम एक घंटे शारीरिक कसरत एवं फिट इंडिया एप मे अपलोड करने का भी आहवान किया ।

वही रविकान्त शर्मा के द्वारा मेजर ध्यानचंद को याद करते हुये खेल के प्रति उनके संघर्ष के विषय जानकारी दी साथ ही सचिन तेंदुलकर, गांगुली पेले जैसे खिलाड़ियो को याद कर खेल की जीवन मे महत्ता बताया और फिट रहने के सुझाव दियेद्य असेंबली, फिटनेस टाल्क के बाद बच्चो के द्वारा योगा विथ डांस, खोखो खेल सम्पन्न हुआद्य श्रीमति विजय लक्ष्मी, धर्मेंद्र तिवारी एवं स्टाफ के सहयोग से राष्ट्रीय खेल दिवस का कार्यक्रम सफल रहा एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ को पहले पायदान पर लाना है : उपमुख्यमंत्री

0 रेशम कृषि मेला सह मेरा रेशम,मेरा अभिमान कार्यक्रम का आयोजन

0 रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को किया गया सम्मानित

0 रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने उपमुख्यमंत्री ने डीएमएफसे एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की

कोरबा छत्तीसगढ़ में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने रेशम कृषि मेला सह मेरा रेशम, मेरा अभिमान, का छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री, लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विधि व विधायी कार्य, तथा नगरीय प्रशासन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने शुभारंभ किया। इस अवसर उपमुख्यमंत्री ने रेशम उत्पादन से जुड़े किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में श्री साव ने कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का उद्देश्य आपको आधुनिक मशीनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना, प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हुए आपको रेशम उत्पादन से जोड़ना ही नहीं है बल्कि आपकी आमदनी को बढ़ाना और आपको आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश को आर्थिक प्रगति की राह में आगे ले जाना भी है। अभी रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे नंबर में है, इसे आप सभी के सहयोग से पहले पायदान पर ले जाना है। उन्होंने इस आयोजन को मील का पत्थर बताते हुए इसमे सभी की सहभागिता को आवश्यक बताया और किसानों के प्रशिक्षण तथा मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम के प्रगति के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा करते हुए राज्य को रेशम उत्पादन में पहले नम्बर में लाने की अपील की। कोरबा के पाली ब्लॉक में केंद्रीय रेशम बोर्ड- बुनियादी बीज का प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में केरेबो-बुनियादी तसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री श्री साव ने रेशम उत्पादन को आमदनी का प्रमुख स्रोत बताते हुए कहा कि सरकार द्वारा आपको प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। आप जितने सक्षम होते जाएंगे आपका प्रदेश और देश भी उतना ही सक्षम होगा। इस अभियान से किसानों को प्रशिक्षण की सुविधा मिलने के साथ ही रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने महिलाओं को महतारी वन्दन योजना से प्रतिमाह एक हजार रुपये दिए जाने की बात कहते हुए बताया कि महिलाओं को आर्थिक रुप से सक्षम बनाने के दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने रेशम उत्पादन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की बात कही। इसके लिए रेशम विभाग से जुड़े अधिकारियों को कार्यालय आकर समस्याओं को चिन्हित कराने कहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव सहित अन्य अतिथियों ने मेरा रेशम,मेरा अभिमान के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस दौरान उन्होंने रेशम कृषि मेले में आयोजित स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने आधुनिक स्तर पर उत्पादन में सहयोगी गतिविधियों को देखने के साथ ही किसानों से चर्चा भी की। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने प्रशिक्षण एवं रेशम उत्पादन से जुड़े हितग्राही श्रीमती सोनकुंवर बैगा, मुखीराम, शिवरात्रि, गनेश राम, रेशम बाई, सोमनाथ, शकुंतला यादव, कर्मा सिंह, रामकुमार, दिनेश पाल, कनकी दास, बरातू लाल सहित अन्य किसानों को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दुगनी हो

संवाददाता

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हमारे जिले में बड़ी मात्रा में रेशम का उत्पादन होता है। यह रेशम कीमती होने के साथ ही किसानों के आय का प्रमुख जरिया भी है। रेशम उत्पादन से बहुत से लोगों को रोजगार भी मिला है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दुगनी हो, ऐसे में स्थानीय किसानों को इससे जुड़कर आमदनी अर्जित करना होगा। पाली-तानाखार क्षेत्र के विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि कोरबा को पहचान पहले से ही रेशम के पटल पर विश्व विख्यात है। यहाँ से बड़ी संख्या में किसान जुड़े हुए हैं। मेरे रेशम, मेरा अभिमान स्थानीय किसानों के लिए लाभदायक होगा।

कलेक्टर अजीत वसन्त ने इस अवसर पर कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान जैसे कार्यक्रम से आमनागरिको में जागरूकता आएगी और वे रेशम के महत्व को जानने के साथ इससे जुड़ेंगे। कलेक्टर ने कहा कि

रेशम उत्पादन में वे किसान भी है जो समाज के कमजोर वर्ग से है। यह गतिविधि पूर्णतः पर्यावरण अनुकूल है,जो सतत विकास के लिए लाभदायक है। उन्होंने कहा कि विभाग भी तकनीकों का इस्तेमाल कर आगे बढ़ रहा है। यह बहुत अच्छा होगा कि हम प्रशिक्षण और उत्पादन को बढ़ावा देकर आमदनी को दुगनी कर सके और सभी के लिए रेशम की उपलब्धता सुनिश्चित कर पाएं।

कलेक्टर ने रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। केंद्रीय रेशम बोर्ड रांची के निदेशक डॉ एन बी चैधरी और बिलासपुर के डॉ नरेन्द्र कुमार भाटिया ने देश प्रदेश में हो रहे रेशम उत्पादन और इससे जुड़े आजीविका के गतिविधियों को बताया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय और राज्य रेशम बोर्ड के माध्यम से रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने प्रशिक्षण और किसानों को जोड़ने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य किया जाता है। इससे बड़ी संख्या में आदिवासी परिवार भी जुड़े है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवनसिंह कंवर, महापौर संजू देवी राजपूत, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष श्री अजय जायसवाल, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ कुमार निशांत, सहायक कलेक्टर क्षितिज गुरभेले, संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार, रेशम विभाग के श्री सी.एस.नोन्हारे, डॉ. जयप्रकाश पाण्डेय, डॉ. हसनसाब नदाफ, डॉ. विनोद सिंह, श्री बलभद्र सिंह भंडारी, कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केन्द्र कटघोरा के डॉ. एस.एस.पोर्ते सहित रेशम विभाग से जुड़े वैज्ञानिक एवं अधिकारी, जनप्रतिनिधि श्री गोपाल मोदी, डॉ. राजीव सिंह तथा आम नागरिकगण उपस्थित थे।

आरोग्यधाम पॉलीक्लिनिक का ध्येय सुलभ उपचार एवं निरंतर नि:शुल्क सेवा, एक वर्ष पूर्ण होने पर किए जाएंगे अनेक सेवाभावी कार्य

कोरबा संवाददाता।

आरोग्यधाम पॉलीक्लिनिक निरंतर यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा सस्ती दरों पर और सुलभ तरीके से उपलब्ध हो सके। उक्त बातें आरोग्यधाम पॉलीक्लिनिक के एक वर्ष पूर्ण होने पर संचालक डॉ बीबी बोर्डे ने प्रेस वार्ता में कही। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय सुलभ उपचार एवं निरंतर निःशुल्क सेवा करना है। आरोग्यधाम पॉलीक्लिनिक ने अपने उद्घाटन से अब तक अल्प समय में ही जन-जन का विश्वास अर्जित किया है। हमारी प्रमुख सेवाएँ सामान्य दिनों में मात्र 20 रुपए में डॉक्टर परामर्श, सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, नेत्र, पैथोलॉजी लैब की सभी जाँचें सामान्य बाजार दर से आधे से भी कम मूल्य पर उपलब्ध है। अब तक लगभग 12,000 लोगों ने जाँच कराई तथा 4,000 से अधिक ने ओ पी डी सुविधा का लाभ उठाया। अब तक आयोजित शिविरों से 1000 से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

डायल 112 के चालकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

कोरबा डायल-112 सेवा में तैनात चालकों ने अब अपनी आवाज बुलंद कर दी है।चालकगण का कहना है कि वे वर्ष 2016-17 से सीजी डायल 112 एबीपी ट्रैवेल्स फैसिलिटी मैनेजमेंट प्रा.लि. के अंतर्गत कार्यरत हैं और 16 अगस्त 2018 से बतौर वाहन चालक लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बावजूद इसके आज तक उन्हें न तो उचित वेतन मिला और न ही शासन-प्रबंधन से कोई सुविधा। चालकों ने बताया कि सात साल की लंबी सेवा के बाद भी उनका वेतन मात्र 8200 रुपये मासिक है। इससे पहले उन्हें 7435 रुपये मिलते थे, यानी इतने वर्षों में केवल 765 रुपये की बढ़ोतरी हुई है। वेतन इतना कम है कि परिवार का भरण-पोषण करना बेहद मुश्किल हो गया है। साथ ही उन्हें न तो ओवरटाइम का पैसा मिलता है, न वर्दी-जूता-रेनकोट जैसी सुविधाएं, और न ही किसी तरह का वार्षिक बोनस दिया जाता है। चालकों को नियमित व सविलियन किया जाए। शासन नियमानुसार वेतन वृद्धि, वेतन स्लिप व वेतन भुगतान की निश्चित तिथि तय हो। 2019 से अब तक का बकाया वेतन वृद्धि व त्योहार बोनस दिलाया जाए। ओवरटाइम राशि, वर्दी, जूता, रेनकोट, मेडिकल किट समय पर उपलब्ध कराई जाए।

दुर्घटना की स्थिति में शासन की ओर से विभागीय सहायता व सुरक्षा गारंटी दी जाए। कई-कई महीने तक रोके गए वेतन का भुगतान तुरंत किया जाए। सरकार की ओर से मिलने वाली प्रोत्साहन राशि सीधे खातों में जमा की जाए। चालकों ने यह भी आरोप लगाया कि जब-जब वे अपनी समस्याएं उठाते हैं, कंपनी प्रबंधन की ओर से उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। चालकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

प्रमाणित बीज उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय : पंजीयन की अंतिम तिथि आज

कोरबा संवाददाता।

छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम द्वारा प्रत्येक वर्ष खरीफ मौसम में कृषकों को बीज उत्पादन कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्रदान कर अन्य किसानों की तुलना में प्रति एकड़ अधिक लाभ कमाने का मौका देता आ रहा है लेकिन इसकी जानकारी कुछ ही किसानों को होती है. आइए आपको इसके बारे मे विस्तार से बताते हैं. यदि आप भी अधिक लाभ कमाने के इच्छुक है तो इस खबर को पढ़ना जारी रखें. प्रमाणित बीज के उपयोग से पुराने बीज की तुलना में 10 से 15ः अधिक उपज प्राप्त होता है. फसल की पैदावार बढ़ाने के लिए कृषि विभाग द्वारा प्रमाणित बीज के उपयोग को

बढ़ावा दिया जाता है. प्रदेश के किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार किस्मों का प्रमाणित बीज मुहैया कराने के लिए बीज निगम बीज उत्पादन कार्यक्रम आयोजित करता है. जिन किसानों के पास 2.5 एकड़ या इससे अधिक जमीन है वो छत्तीसगढ़ राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था में मामूली शुल्क देकर अपना पंजीयन करा सकते है. इसके लिए आपको अपने जिले के बीज प्रकिया केंद्र में संपर्क करना होगा. बीज उत्पादन कैसे किया जाता है इसकी पूरी जानकारी बीज प्रमाणीकरण अधिकारियों द्वारा दी जाती है. फसल कटने पर अपना बीज प्रक्रिया केंद्र में देने पर आपको एक सप्ताह में बीज की अग्रिम राशि दे दी जाती है जो कुल बीज की कीमत का लगभग 60ः राशि है शेष 40ः राशि बीज परीक्षण परिणाम आने पर दे दी जाती है. इस प्रक्रिया में लगभग 2 माह लगते है.

पिछले खरीफ में धान मोटा किस्म की किसानों बीज खरीदी दर 3043800(बोनस)= 3843 रुपये प्रति क्विंटल, धान पतला किस्म- 3211800(बोनस) = 4011 रुपये प्रति क्विंटल, सुगंधित किस्म- 3644800(बोनस)= 4444 रुपये प्रति क्विंटल थी.

इस प्रकार, पिछले खरीफ में जिन किसानों ने बीज निगम में उत्पादन कार्यक्रम में हिस्सा लिया था उन्हें शासन द्वारा निर्धारित धान की खरीदी दर 3100ध्- प्रति क्विंटल की तुलना में मोटे किस्म की 743 रुपये प्रति क्विंटल अर्थात 15603 रुपए प्रति एकड़ अधिक मिले मतलब 1 हेक्टर वाले किसान को लगभग 40,000 रुपये अधिक मिले. हालांकि किसानों को बीज का 40ः राशि मिलने में 2-2.5 माह लगता है किन्तु तब भी किसी अन्य निवेश से अधिक लाभ प्राप्त होने से किसान इस कार्यक्रम के प्रति उत्साहित रहते हैं.

अभी शासन स्तर पर उत्पादन अनुदान बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है जिसे अंतिम रूप मिलने पर लाभ और अधिक होगा.

कोरबा पुलिस का सड़क सुरक्षा अभियान : मॉडिफाई साइलेंसर वाले 69 वाहनों पर कार्रवाई

कोरबा आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले में सड़क सुरक्षा और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस ने विशेष अभियान ऑपरेशन शांति दृ भाग 02 चलाया। इस अभियान में मॉडिफाई साइलेंसर लगाने वाले 69 वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नीतिश ठाकुर तथा नगर पुलिस अधीक्षकगण के मार्गदर्शन में यह अभियान जिले के विभिन्न थाना-चैकी एवं यातायात पुलिस द्वारा 15 अगस्त से 29 अगस्त 2025 तक संचालित किया गया। कार्रवाई के दौरान आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया और 15000 रुपए तक का जुर्माना लगाया गया।

मुख्य कार्रवाई की रूपरेखा इस प्रकार रहीः

थाना सिविल लाइनरू 10 वाहन

थाना दीपकारू 10 वाहन

यातायात पुलिस जिला कोरबाः 14 वाहन

पुलिस सहायता केंद्र मानिकपुरः 10 वाहन

कोतवालीरू 7 वाहन

कोरबा पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन में अनाधिकृत परिवर्तन जैसे मॉडिफाई साइलेंसर न करें, हेलमेटध्सीट बेल्ट का प्रयोग करें, तेज गति और लापरवाह ड्राइविंग से बचें, नशे में वाहन न चलाएँ और सड़क पर मोबाइल का उपयोग न करें।

एफआई.आर. दर्ज कराने की मांग, आंदोलन की चेतावनी

कोरबा संवाददाता।

एक बार फि र से श्वेता हॉस्पीटल रिस्दी के विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज को लेकर शिकायत करते हुए कार्यवाही की मांग की गई है। शिकायत करता पुनिराम कुर्रे आरोप लगाया है कि मुख्य चिकित्सालय कोरबा में कार्यरत श्रीमती डॉ. मनियारो कुजुर जो कि डॉक्टर के पद पर पदस्थ है जिसके द्वारा श्वेता हॉस्पीटल रिस्दी में संचालित किया जा रहा है।

उक्त हॉस्पीटल में मेरे द्वारा मेरी पत्नी निर्मला कुर्रे ग्राम बेदरकोना को प्रसव के दौरान भर्ती कराया गया था। जिसमें मनियारो कुजुर के द्वारा ऑपरेशन से मेरी पत्नी ने एक पुत्री को जन्म दिया जन्म देने के बाद अचानक से तबियत बिगड़ने लगी हॉस्पीटल में एक भी जिम्मेदार डॉक्टर उपस्थित नहीं था और न ही कोई अनुभवी नर्स उपस्थित थी इस बीच कई बार डॉक्टर से संपर्क किया गया किन्तु ईलाज हेतु कोई अनुभवि स्टॉफ नही आये जिसके

कारण मेरी पत्नी निर्मला कुर्रे की दिनांक 02.06.2022 को दोपहर में तबियत बहुत ही ज्यादा खराब हो जाने के कारण ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

डॉ. मनियारो कुजुर के द्वारा ईलाज के दौरान लापरवाही बरते जाने एवं जिम्मेदार डॉक्टर उपस्थित नही होने के कारण आज मेरी पत्नी जीवित नहीं है। मेरा एक 03 वर्ष का बच्ची के सर से माँ का साया छिन लिया गया। मेरे द्वारा मृत्यु की जानकारी चाही जाने पर आनन-फानन में शव मेरे हाथ में सौंप दिया गया, पोस्टमार्टम कराने की इच्छा रखने पर मुझे डरा-धमका का वापस भेज दिया गया। तथा डर के कारण मेरे द्वारा किसी प्रकार का कोई शिकायत व पुलिस कार्यवाही नही किया गया।

वर्तमान में ग्राम पंचायत गोढ़ी निवासी अंजली सिंह की प्रसव के कुछ समय बाद मृत्यु हो गई जिसके विरोध में कि गई कार्यवाही को देखकर मेरा भी हौसला बुलंद हुआ है जिसके मेरे द्वारा भी पुलिस प्रशासन से एफआई.आर. दर्ज करने की शिकायत पत्र दी गई है।

मेरे बच्चे जैसे अनेकों बच्चों के सर से माँ की ममता श्रीमती मनिवारो कुजुर के द्वारा छिन ली गई है। शासन प्रशासन से निवेदन है कि आगामी इस प्रकार की घटना घटित ना हो इसके लिये उचित कार्यवाही एवं तत्काल प्रभाव से एफआई.आर. दर्ज. एवं त्वरित निलंबित व हॉस्पिटल का लाईसेंस निरस्त करते हुए उचित कार्यवाही की मांग को पूरा करने का कष्ट करें। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना डॉ. के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही हेतु शासन से मेरी निम्न मांग है जिसका विवरण निम्नानुसार है।

01. डॉ. मनियारो कुजर जो जिला चिकित्सालय कोरबा में पदस्थ है जिसे तत्काल निलंबित किया जाये। 02. डॉ. मनियारो कुजुर के ऊपर स्व. निर्मला कुर्रे के मौत का जिम्मेदार है इसके विरूद्ध एफआई.आर. दर्ज किया जावे। 03. श्वेता हॉस्पीटल का लाईसेंस तत्काल निरस्त करते हुये हॉस्पीटल को बंद करायी जावे।

एक आंदोलन के सामने आने के बाद से और भी कई लोग श्वेता नर्सिंग होम के विरुद्ध सामने आने लगे हैं या दूसरा मामला है जिसने अस्पताल के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है अब देखना है कि इस शिकायत पर जिला प्रशासन क्या कार्रवाई करता है।

हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्रियों के साथ आरोपी गिरफ्तार

रायपुर । राजधानी रायपुर की एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्रियों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 28.08.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना गंज क्षेत्रांतर्गत देवेंद्र नगर ओव्हर ब्रिज के नीचे रेल्वे स्टेशन जाने वाली रोड पास एक व्यक्ति दोपहिया वाहन एक्टिवा के साथ खड़ा है, जो अपने पास प्रतिबंधित हुक्का से संबंधित सामग्री रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान पर जाकर मुखबीर द्वारा बताये वाहन एवं हुलिये के व्यक्ति की पतासाजी कर व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम गयाशुद्दीन लश्कर निवासी सिविल लाईन रायपुर का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसके पास रखें थैले की तलाशी लेने पर थैला में हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्री रखा होना पाया गया। जिस पर आरोपी गयाशुद्दीन लश्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से हुक्का से संबंधित प्रतिबंधित सामग्री 04 नग हुक्का पाट, 04 नग हुक्का पाईप, चीलम 04 नग, 01 नग चिमटा छोटा, 01 नग छोटा हीटर, 02 डिब्बा एल अकबर ब्रांड का कोकोनट कोल, 01 डिब्बा व्हाइट रोज ब्राण्ड का तंबाकू, 12 नग प्लास्टिक पाईप हुक्का पाईप में लगाने का कुल कीमती लगभग 10,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना गंज में अपराध क्रमांक 225/25 धारा 4, 21(1) सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापारा तथा वाणिज्य उत्पादन प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम 2003 का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विदेश दौरे से लौटेंगे, रायपुर एयरपोर्ट पर होगा भव्य स्वागत

बीजापुर। बीजापुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी आकांक्षी जिला श्री अन्बलगन पी ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बीजापुर में एस्ट्रोनॉमी लैब का अवलोकन किया। इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा लैब में उपलब्ध उपकरणों के उपयोग संबंधी जानकारी दी जिसमें ग्रह, नक्षत्रों, ज्वालामुखी, भूकंप, खगोलीय घटनाएं सहित फिजिक्स, कैमिस्ट्री हेतु उपलब्ध उपकरण एवं उपयोग के बारे में बताया गया। जिस पर श्री अन्बलगन पी ने बेहतर शिक्षण व्यवस्था तथा बच्चों के लिए बहुत उपयोगी बताते हुऐ और भी सशक्त माध्यम से पढ़ाने विडियो, विजुअल दिखाने के निर्देश दिए।सेन्ट्रल लाईब्रेरी में वीआर सेट के माध्यम से देखे विडियो- एस्ट्रोनामी लैब के पश्चात सेन्ट्रल लाईब्रेरी में पुस्तकों के रख-रखाव, लाईब्रेरी का संचालन सहित कम्प्यूटर, प्रशिक्षण प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों की तैयारी का भी जायजा लिया। वहीं जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए अत्याधुनिक सेन्ट्रल लाईब्रेरी के गेमिंग जोन, वीआर सेट, टेलिस्कोप का अवलोकन कर वीआर सेट से विडियो भी देखे। गारमेंट फैक्ट्री में रोजगारमूलक योजनाओं की तारीफ करते हुऐ उनके संचालन की जानकारी ली- भ्रमण के दौरान जिला प्रशासन द्वारा संचालित गारमेंट फैक्ट्री का अवलोकन कर रोजगार मूलक गतिविधियों के संचालन हेतु जिला प्रशासन के अनुकरणीय पहल बताते हुए गारमेंट फैक्ट्री के संचालन कार्यरत श्रमिको के मानदेय संबंधी जानकारी ली। ज्ञात हो कि बीजापुर के गारमेंट फैक्ट्री में महिलाओं के रोजगार हेतु स्थापित किया गया है।

बस्तर की परंपरा, संस्कृति से ही नहीं, यहां की आदिवासी बेटियों की आबरू से भी खेलने लगे हैं कन्वर्जन कराने वाले तत्व

जगदलपुर। कन्वर्जन का नासूर न सिर्फ बस्तर के आदिवासियों की आस्था, संस्कृति और परंपराओं को खोखला रहा है, बल्कि इस खेल में लगे कुछ तत्व बस्तर की आदिवासी बेटियों की आबरू से भी खेलने लगे हैं। बस्तर संभाग में धर्मांतरण एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मुद्दा बन गया है। परंपरा, संस्कृति के आक्रांताओं ने समूचे संभाग को अपने बाहुपाश में जकड़ लिया है। कन्वर्जन का सबसे ज्यादा असर आदिवासी समुदाय पर पड़ा है। इस समुदाय के समक्ष अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है जिसको लेकर जहां आदिवासी समाज बेहद आक्रोशित है वहीं अवैध धर्मांतरण करवाने वाली मिशनरियां दीमक की तरह गांव गांव में पहुंच चुकी हैं।प्रार्थना के जरिए बीमारियां ठीक करने का झांसा देकर भोलेभाले आदिवासियों का कन्वर्जन कराया जा रहा है। कन्वर्टेड आदिवासियों को उनकी पूजा पद्धति, संस्कृति और परंपराओं से विलग कर दिया जाता है। मृतकों के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया भी बदल दी जाती है। इससे गांव गांव में वर्ग संघर्ष के हालात बनने लगे हैं। इससे चिंतित अपनी परंपराओं पर अडिग आदिवासी अब गांव गांव में कन्वर्जन, पास्टर, पादरियों पर रोक लगाने लगे हैं। गांवों में पास्टर पादरियों के प्रवेश की मनाही संबंधी बोर्ड लगा दिए गए हैं। संस्कृति और परंपराओं पर आक्रमण करने वाले कुछ तत्व अब बस्तर की आदिवासी बहू बेटियों की अस्मत पर भी हमला करने लगे हैं। ऐसा ही एक मामला बस्तर जिले भानपुरी थाना क्षेत्र के बड़ांजी गांव से सामने आया है। एक तथाकथित पास्टर ने एक बीमार महिला की बीमारी प्रार्थना के जरिए ठीक कर देने का झांसा देते हुए उस महिला की विधवा बेटी को अपनी हवस का शिकार बनाता रहा। जब युवती गर्भवती हो गई तो उस पर धर्म परिवर्तन और गर्भपात के लिए आरोपी दबाव बनाने लगा। बताया गया है कि आरोपी पीलूराम बघेल खुद कन्वर्टेड है और गांव के बाहर प्रार्थना सभा करवाता था। दुष्कर्म पीड़िता की मां बीमार चल रही है। पीलू राम ने बीमार महिला और उसकी युवा बेटी को झांसे में ले लिया कि वह प्रार्थना के जरिए महिला को स्वस्थ कर देगा। वह मां बेटी को चर्च ले जाता था और घर मे रविवार को प्रार्थना करवाता था। इस तरह पीलूराम ने बेटी को प्रेमजाल में फंसा लियाया और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। पीड़िता के गर्भवती हो जाने पर उसे ईसाई धर्म अपनाने और गर्भपात कराने के लिए उस पर का लगातार दबाव बनाता रहा। मामला भानपुरी थाना क्षेत्र का है जहां बड़ांजी क्षेत्र के धनोरा निवासी आरोपी पीलूराम बघेल पास्टर ने पीड़िता को गर्भपात कराने की धमकी दी बाद। में उसके हिंदू परिवार व युवती पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया। विधवा युवती ने हाल ही में एक बच्ची को जन्म दिया है।पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई।आरोपी पूर्व से शादीशुदा है और पोल खुलने के बाद से फरार था।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया गया है कि पास्टर पीलूराम उर्फ पिलमन बघेल आदतन बदमाश है जिस पर पूर्व में भी अवैध धर्मांतरण के आरोप लगे हैं। एक बार तो हिन्दू संगठनों ने इसको धर्मांतरण करवाते रंगे हाथों पकड़ा था। बस्तर में यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले इसी तरह की घटना में पास्टर विजेंदर उम्रकैद की सजा काट रहा है।

आंगनबाड़ियों और स्कूलों में बच्चों की बन रही सेहत

खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा, भजिया और सेवई का मिल रहा स्वाद,

गैस चूल्हे की व्यवस्था से धुएं से मिली मुक्ति

रायपुर। आंगनबाड़ियों और स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब पहले से बहुत खुश हैं। समय पर स्कूल और आंगनबाड़ी खुल रहे हैं। वहां मिलने वाले नाश्ते खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा, भजिया, सेवई तथा भोजन से उन्हें ऊर्जा भी मिल रही है। गैस सिलेण्डर की व्यवस्था से आंगनबाड़ियों और स्कूलों में भोजन पकाने के दौरान उत्पन्न होने वाले धुएं से भी मुक्ति मिल गई है। इससे रसोईयों के साथ ही विद्यार्थियों और शिक्षकों को भी राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर कोरबा जिले के सभी आंगनबाड़ियों तथा प्राइमरी व मिडिल स्कूलों में सुबह के नाश्ते की व्यवस्था डीएमएफसे की जा रही है। नाश्ते और सिलेण्डर की व्यवस्था ने आंगनबाड़ी तथा विद्यालय आने वाले बच्चों की रूचि बढ़ा दी है। अलग-अलग दिनों में निर्धारित मेनू के आधार पर उन्हें नाश्ता और भोजन परोसा जा रहा है। नाश्ते में खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा व भजिया दी जा रही है। विद्यार्थी नाश्ता खाने बहुत उत्सुक रहते हैं और समय पर विद्यालय भी पहुंच जाते हैं।

पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के ग्राम धोबघाट प्राथमिक शाला में कक्षा पहली की छात्रा प्रियांशी, छात्र विनय, कक्षा दूसरी की नेहा, तीसरी की रोशनी और नर्मदा तथा कक्षा पांचवी के भूपेश ने बताया कि अब नाश्ते में अलग-अलग दिनों में उन्हें अलग-अलग खाने को मिलता है। खीर, पूड़ी, हलवा, खिचड़ी, पोहा, भजिया और सेवईयां मिलती है। विद्यालय में प्रधान पाठक श्री चैनसिंह पुहुप ने बताया कि नाश्ते का प्रभाव बच्चों पर पड़ा है। उन्होंने यह भी बताया कि सिलेण्डर की व्यवस्था होने से जल्दी खाना पक जाता है। नाश्ता हो या मध्यान्ह भोजन दोनों को पकाने में आसानी हो गई है। कोरबा विकासखण्ड के दूरस्थ गांव लामपहाड़ में पहाड़ी कोरवा बच्चों में भी नाश्ते का प्रभाव पड़ा है। आंगनबाड़ी केंद्र हो या स्कूल दोनों जगह उनकी उपस्थिति नजर आती है। पहले सुबह से ही अपने परिजनों के साथ जंगल की ओर प्रस्थान कर जाने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चे अब समय से पहले स्कूल पहुंचते हैं। लामपहाड़ आंगनबाड़ी की कार्यकर्ता सुशीला तिर्की और सहायिका सुलोचनी यादव बताती है कि केंद्र में ज्यादातर बच्चे पहाड़ी कोरवा जनजाति के हैं। कई बच्चों को घर पर पर्याप्त आहार उपलब्ध नहीं हो पाता। ऐसे में नाश्ता और भोजन उनके शारीरिक विकास के लिए उपयोगी साबित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि सुबह दस बजे के आसपास नाश्ता देने के साथ ही दोपहर को एक बजे भोजन दिया जाता है। आंगनबाड़ी में आने वाले पहाड़ी कोरवा बच्चों सम्पति, रवीना, सुखमनिया, सुशील और कविता ने बताया कि उन्होंने सुबह नाश्ते में दलिया खाया और दोपहर को दाल, भात और सब्जी खाई है। हर दिन गरम भजिया, पोहा, खीर, पूड़ी, उपमा का नाश्ता मिलता है और इसे खाना भी अच्छा लगता है। यहां भोजन पकाने वाली सहायिका सुलोचनी यादव का कहना था कि पहले बारिश के दिनों में चूल्हा जलाना बहुत मुश्किल हो जाता था। सूखी लकड़ियों की व्यवस्था करना, फिर चूल्हा जलाकर धुएं के बीच खाना पकाना बहुत परेशानी वाला काम था। अब तो गैस से मिनटों में बिना परेशानी के खाना बनने लगा है।

लामपहाड़ के प्राथमिक और माध्यमिक शाला में भी विशेष पिछड़ी जनजातियों के बच्चों की उपस्थिति तथा नाश्ते व मध्याह्न भोजन में रूचि नजर आने लगी है। कक्षा चौथी की देवशीला एवं फूलमनिया ने बताया कि स्कूल में मिलने वाला नाश्ता उन्हें अच्छा लगता है। पाली विकासखंड के दूरस्थ गांव पण्डोपारा में प्राथमिक शाला में लगभग 25 बच्चे हैं। नये भवन में आंगनबाड़ी संचालित है। दोनों जगह बच्चों को समय पर नाश्ता और भोजन मिलता है।

गांव में रहने वाली पूजा पण्डो ने बताया कि उसके पांच बच्चे हैं। एक आंगनबाड़ी में और दो स्कूल में पढ़ाई करते हैं। तीनों को सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना मिलता है। पहले वे बहाना बनाकर स्कूल जाने में आनाकानी करते थे, पर अब नियमित जाते हैं। स्थानीय प्रशासन ने सभी स्कूलों में नाश्ते का मीनू लिखाने तथा स्थानीय उपलब्धता और विद्यार्थियों की पसंद के अनुरूप नाश्ता परोसने के निर्देश दिए हैं।

बीजापुर में नक्सलियों ने युवक की निर्मम हत्या कर फिर फैलाई दहशत

बीजापुर । छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर में एक बार फिर से माओवादी अत्याचार का मामला सामने आया है। जिलापुर से करीब 20 किलोमीटर दूर, बीजापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम मनकेली के पास 27 वर्षीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। घटना ने इलाके में भय और तनाव का माहौल बना दिया है।

हत्या का शिकार युवक की पहचान सुरेश कोरसा (27 वर्ष), पुत्र लछु कोरसा के रूप में हुई है। प्रारंभिक आशंका यह जताई जा रही है कि नक्सली उसे पुलिस मुखबिरी के शक में निशाना बनाकर मौत के घाट उतार चुके हैं। हालांकि, इस वारदात के बाद नक्सलियों की ओर से किसी भी प्रकार का पर्चा या कोई संदेश अभी तक नहीं छोड़ा गया है।

पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए तुरंत मर्ग दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मामले की तहकीकात शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार फिलहाल हत्या के पीछे की सही वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है और जांच के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। हत्या का शिकार युवक की पहचान सुरेश कोरसा (27 वर्ष), पुत्र लछु कोरसा के रूप में हुई है। प्रारंभिक आशंका यह जताई जा रही है कि नक्सली उसे पुलिस मुखबिरी के शक में निशाना बनाकर मौत के घाट उतार चुके हैं।

प्रभारी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने ली बाढ़ आपदा प्रबंधन की बैठक, क्षति का आंकलन कर प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि करें जारी- सचिव

जगदलपुर। सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों का सर्वेक्षण एवं क्षति का आंकलन शीघ्र पूरा किया जाए और प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए। प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी प्रभावित परिवार राहत और सहायता से वंचित न रहे। बस्तर जिले के प्रभारी सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने शनिवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की जानकारी ली और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि पूर्णतरू मकान क्षति के प्रकरणों में आर बी सी 6-4 के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए आगामी दो दिनों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रभावितों को बॉस बल्ली का वितरण करें ताकि मकान बनाने के लिए सहयोग हो। इसके अलावा फसल हानि का सर्वे करने के निर्देश दिए । राहत शिविरों में भोजन की व्यवस्था लगातार करें और उचित मूल्य की दुकानों में राशन की अतिरिक्त आबंटन कर उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। साथ ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और मेडिकल कैंप स्थापित कर लोगों को

आवश्यक उपचार एवं दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाए। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में उल्टी दस्त और स्वच्छता संबंधी बीमारियों की संभावना बनी रहती है इस हेतु कार्य योजना बनाकर एक माह तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाए।

उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल पुलिया का समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क से बारह मासी आवागमन सुचारू रहे, विशेषकर सुकमा,दंतेवाड़ा-बीजापुर जिलों से होकर गुजरने वाले सड़क हमेशा कनेक्ट रहना चाहिए। बाढ़ से प्रभावित सड़को के कटे हुए हिस्से को तत्काल दुरुस्त करवाएं, साथ ही बहाव क्षेत्र के सड़कों का स्थाई समाधान किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य के साथ प्रोटेक्शन वर्क को भी जोड़कर प्रस्ताव तैयार करें। बाधित विद्युत व्यवस्था वाले गाँव में भी रिस्टालेशन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें, पीएचई विभाग को पेयजल आपूर्ति बनाए रखने तथा जल शुद्धिकरण करने के निर्देश दिए। सचिव डॉ सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन कर रखें ताकि भविष्य की तैयारी कर रखें।अर्ली मॉनिटरिंग की व्यवस्था को सक्रिय किया जाए ताकि बारिश से पहले प्रभावित इलाकों के सरपंच- ग्राम सचिव के माध्यम से ग्रामीणों को सचेत किया जाए और सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने कहा कि हमे बाढ़ प्रभावितों के लिए संवेदनशील होकर राहत और आरबीसी 6-4 के प्रकरण तैयार कर कार्य करने की जरूरत है। सभी प्रभावित अनुभागों द्वारा इस कार्य को प्राथमिकता से किया जाए और भी अधिकारी फील्ड में लगातार निगरानी रखकर समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा,जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर श्री प्रतीक जैन,वन मंडलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री जीआर रावटे, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, आयुक्त नगर निगम श्री प्रवीण वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जांजगीर चांपा : मनरेगा से डबरी निर्माण से बदली संतोष की किस्मत

परेशानियों से मिली किसान को राहत, डबरी बनी सफलता की कुंजी

जांजगीर चांपा। प्रदेश में मनरेगा से किसानों के खेतों में खेती की सुविधाओं के कार्य किये जा रहे हैं। इस कड़ी में जांजगीर चांपा जिले की जनपद पंचायत बलौदा के ग्राम खैजा में महात्मा गांधी नरेगा योजना से एक बड़ी सफलता की कहानी सामने आई है। ग्राम के किसान श्री संतोष कुमार/बाबूराम की निजी भूमि पर लगभग 2.92 लाख रुपए की लागत से डबरी (छोटा तालाब) का निर्माण किया गया। इस कार्य से न केवल 552 मानव दिवस का रोजगार सृजित हुआ बल्कि गांव के 13 परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ भी मिला। मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत जिले में सतत रूप से गतिविधियां भी संचालित की जा रही है।श्री संतोष कुमार पाटले बताते है कि वे पहले बतख का पालन करते थे, डबरी नही होने से पहले वह छोटा गड्ढा खोदकर बतखों का पालन कर रहे थे। निजी डबरी निर्माण होने से पहले संतोष बेहद परेशान रहते थे, क्योंकि उनके खेतों में साल भर पानी की उपलब्धता नहीं होने से उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में एक दिन उन्हें रोजगार सहायक के माध्यम से जल संरक्षण के तहत निजी डबरी निर्माण से होने वाले फायदे के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने आवयक दस्तावेज सहित आवेदन ग्राम सभा में दिया और ग्राम सभा से यह प्रस्ताव पास हुआ, तो तकनीकी प्रस्ताव तैयार कर उसे जनपद पंचायत के माध्यम से जिला पंचायत प्रासकीय स्वीकृति के लिए भेजा गया। इसके बाद श्री संतोष कुमार की जिंदगी में बदलाव आया जब उनके खेतों में डबरी निर्माण को लेकर 2 लाख 92 हजार रूपए की प्रासकीय राशि स्वीकृत दी गई। इसके बाद फिर काम शुरू हुआ और महात्मा गांधी नरेगा के जॉबकार्डधारी परिवारों ने मिलकर श्री संतोष कुमार पाटले की डबरी का निर्माण कर दिया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना से उनके स्वयं के जमीन पर डबरी निर्माण होने अब वे बतखो का पालन शुरू किये और अभी वह मछली पालन का कार्य कर रहे हैं। इससे उन्हें डबरी में मछली से हर साल 25 हजार से 30 हजार की अतिरिक्त आय हो रही है। अब खेतों की सिंचाई आसानी से हो पा रही है, जिससे धान और अन्य फसलों का उत्पादन बढ़ा है। डबरी के पानी से पशुओं के लिए भी पानी की पर्याप्त व्यवस्था हो गई।

गणेश उत्सव में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रायपुर संवाददाता।

चंद्रशेखर आज़ाद स्मृति आज़ाद सोशल एंड स्पोर्ट्स क्लब, जोरापारा रायपुर ने गणेश उत्सव महापर्व के अवसर पर छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया। वार्ड और मोहल्ले के बच्चों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

क्लब अपने शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ रहा है और इस वर्ष इसकी स्थापना का 98वाँ वर्ष पूरा हो रहा है। इसी उपलक्ष्य में गणेश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी भगवान गणेश की पारिवारिक प्रतिमा भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान कार्तिकेय और श्री गणेश की स्थापना की गई। प्रतिमा स्थल को कैलाश पर्वत की आकर्षक झांकी और विद्युत सजावट से सजाया गया है। गणेश उत्सव के पूरे दस दिनों तक प्रतिदिन शाम 7 बजे भोग प्रसाद भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी लगातार चल रही है। इसी कड़ी में 30 अगस्त की रात आयोजित बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छोटे बच्चों ने अलग-अलग किरदारों की पोशाक पहनकर मंच पर अपनी रचनात्मकता और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

इस अवसर पर समिति की महिला मंडल, युवक मंडल, बालिका मंडल, वरिष्ठ सदस्य और बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

ज्ञान दान में आगे आ रहे लोग, स्मृति पुस्तकालय योजना को मिल रहा भरपूर सहयोग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार जिले में स्मृति पुस्तकालय योजना का संचालन किया जा रहा है। इसके तहत आज संकुल समन्वयक, शिक्षा विभाग श्री नंदकुमार ध्रुव ने जिला प्रशासन को प्रतियोगी परीक्षाओं सहित अन्य प्रेरक पुस्तकें दान की। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने यह पुस्तकें ग्रहण किया तथा सम्मान पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की। जिले में 15 जुलाई से प्रारंभ इस योजना के तहत दानदाताओं द्वारा 2 हजार से अधिक पुस्तकें दान में दी जा चुकी है। ये पुस्तकें जरूरतमंदों के भविष्य निर्माण में लाभकारी साबित होगी। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे आगे आकर पुस्तकें और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट दान करें और ज्ञान के इस अभियान में सहभागी बनें। दान करने के लिए लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना, रोजगार अधिकारी केदार पटेल से मोबाइल नंबर 9406049000 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)